

عمر خیر ندویہ ادارہ

ﷺ

## طب نبوی



صاحب مؤتاد طبر الہیاء - رحمۃ اللہ علیہ  
 مترجم : حافظ فضل محمد عمر

Ketabton.com

عمر خیر ندویہ ٹولہ قندھار

## د مضامینو فهرست

|                                                        |    |
|--------------------------------------------------------|----|
| لړلیک                                                  | مخ |
| ..... د دې کتاب ټول حقوق دخپرنډویه ټولنې سره محفوظ دي: | 13 |
| ..... د کتاب لنډه پیرندنه:                             | 13 |
| ..... دیباجه او مقدمه دمصنف:                           | 15 |
| ..... جسماني صحت او جوړتیا:                            | 19 |
| ..... دروژي مسنوننه طریقه:                             | 20 |
| ..... کله چي نوې ناوې کورته راسي:                      | 21 |
| ..... دجماع په وخت کي دشيطان څخه حفاظت:                | 22 |
| ..... دکوروالي صحیح وخت :                              | 22 |
| ..... دکوروالي آداب :                                  | 22 |
| ..... دکوروالي په وخت کي خبري کول:                     | 23 |
| ..... بغير دغسل څخه دکور والي تاوان:                   | 23 |
| ..... په ولاړي کوروالي کول:                            | 24 |
| ..... دمیاشتي په نیمائي کي کوروالي کول:                | 24 |
| ..... دکوروالي څخه ورسته بولي کول:                     | 24 |
| ..... دکوروالي څخه ورسته استنجاوېل:                    | 24 |

|                                         |    |
|-----------------------------------------|----|
| دکوروالي په وخت کي دښځي شرمگاه ته کتل   | 25 |
| دکوچني دپيدا کيدوناجوري اودهغي علاج:    | 25 |
| دکوچني په غورکي دانن اواقامت ويلوفايدي: | 25 |
| خرماژول اودکوچني په خله کي ورکول:       | 26 |
| دکوچنی نوم په اوومه ورځ ايښودل:         | 26 |
| دبدنظر څخه دحفاظت تعويذ:                | 26 |
| دکوچنيانوپه اخلاقوباندي دشيديو اثر:     | 27 |
| دخوراک په وخت دشيطان څخه حفاظت:         | 27 |
| دمالگي څکلوفايدي:                       | 27 |
| دناروغ سره ډوډي خوړل:                   | 28 |
| دخوراک په وخت کي يوڅودعاوي:             | 28 |
| په خوراک کي دبرکت پيدا کيدودپاره:       | 28 |
| ددهضمی مجرب علاج:                       | 28 |
| دغريبي اومحتاجي څخه حفاظت:              | 29 |
| دفرشتودعاخستل:                          | 29 |
| درزق دفراخي تدبير:                      | 30 |
| دبرکت حاصلولودپاره عمل:                 | 30 |
| دخوراک هضم کولو علاج:                   | 31 |
| دزړه دطاقت علاج:                        | 31 |
| دمچ دزهر وڅخه شفاء:                     | 32 |

|                                          |    |
|------------------------------------------|----|
| په خوراک خټناک کي د زهروڅخه حفاظت:       | 32 |
| د دې دعا یو په زړه پوري قصه:             | 33 |
| دهاضمي علاج:                             | 33 |
| د غاښ د تکلیف علاج:                      | 34 |
| په خوراک خټناک کي بې برکتۍ:              | 34 |
| دلبر خوراک فايدي:                        | 35 |
| د ډير خوراک تاوانونه:                    | 35 |
| د خاوري خوړلو تاوانونه:                  | 36 |
| د غوښي خوړلو فايدي:                      | 36 |
| د بدن دکمزوري علاج:                      | 37 |
| د انځر فايدي:                            | 37 |
| د زيتون اود زيتون د غوړو فايدي:          | 37 |
| تر ډيره وخته پوري د ځوان پاته کيدو علاج: | 38 |
| د خرما فايدي:                            | 38 |
| د جادو اوز هرو علاج:                     | 39 |
| د دماغ د طاقت پيدا کولو د پاره علاج:     | 39 |
| د زړه اود دماغ دکمزوري علاج:             | 40 |
| د معدې د بخار علاج:                      | 40 |
| د دماغو د خشکۍ اود خارش علاج:            | 41 |
| د قوت باه ډير والي:                      | 41 |

|    |                                                    |
|----|----------------------------------------------------|
| 41 | دویني دصافولو علاج:                                |
| 42 | دنس درطوبت اوډیر وناجوریو علاج:                    |
| 42 | دویني دصفاکیدو علاج:                               |
| 43 | دقوت باه علاج:                                     |
| 43 | په پوڅکی باندې دسترگودناجوریو علاج:                |
| 44 | دپوڅکی نور خاصیتونه:                               |
| 44 | دسترگودخوروالي او درد علاج:                        |
| 45 | دسترگوڅخه دغبار لیري کولو او نظرتیزیدو دپاره علاج: |
| 45 | دکمزورۍ او مردانه قوت دحرکت دپاره:                 |
| 46 | دخورسترگو علاج:                                    |
| 46 | دنظر دتیزیدو علاج:                                 |
| 47 | دعام جسماني طاقت او قوت باه علاج:                  |
| 47 | په سبزی جاتو سره دناروغي علاج:                     |
| 48 | په شیدوسره جسماني طاقت پیدا کول:                   |
| 48 | دعسلو خاصیتونه او دهرې ناروغي څخه شفاء:            |
| 49 | دنس د درد او دهاضمې علاج:                          |
| 49 | دکنځلو (تل) خاصیتونه او دناجوریو علاج:             |
| 50 | په اوبوسره دتبي علاج:                              |
| 51 | دامل بندول او غسل:                                 |
| 51 | دجوز او پنیږ خاصیتونه:                             |

|       |    |                                       |
|-------|----|---------------------------------------|
| ..... | 52 | دشوندخوصیات اودناجوریو علاج:          |
| ..... | 52 | تردیره وخته بدن جورساتل:              |
| ..... | 53 | داستسقاء (وبا) علاج اودری قسمونه:     |
| ..... | 53 | داوینی په شیدواوبولوسره دلمحي علاج:   |
| ..... | 53 | دزخم وینه بندول:                      |
| ..... | 54 | دسردرداودخرابی وینی علاج:             |
| ..... | 55 | دعرق النساءدرددپاره علاج:             |
| ..... | 55 | دقبض علاج اودسنا خلاص:                |
| ..... | 56 | په کلونجي دعاموناجوریو علاج:          |
| ..... | 57 | په کوچنیوناجوریو دلو یوناجوریو کفاره: |
| ..... | 57 | جسمانی ناروغي اوداوری خاصیتونه:       |
| ..... | 58 | دلمرتودی اوبه فیس ناجوری پیداکوي:     |
| ..... | 58 | دخارش علاج:                           |
| ..... | 59 | ذات الجنب یاپښتي دردعلاج:             |
| ..... | 61 | دسر دردعلاج اودنکریزو خاصیتونه:       |
| ..... | 62 | دکوچنیانو دحلق ناجوری:                |
| ..... | 63 | دقسط بحري فایدې:                      |
| ..... | 63 | دزړه درد اودهغه علاج:                 |
| ..... | 64 | علاج اوپرهیز کول سنت دي:              |
| ..... | 65 | دخد اوبی حسی علاج:                    |

|         |                                            |
|---------|--------------------------------------------|
| 65..... | دثبره اوددانو علاج:                        |
| 66..... | دمریض په پوښتنه کولوباندي دمریض تسلي کیدل: |
| 66..... | دغصی اوقهر لیری کولو علاج:                 |
| 67..... | دناروغي اوغم علاج:                         |
| 68..... | دزهروتاوانونه او علاج یی:                  |
| 69..... | دقي په ذریعه دناروغيو علاج:                |
| 70..... | دمولي دبوي علاج:                           |
| 70..... | هریره اوددی فایدې:                         |
| 70..... | دکرفس اونرگس فایدې:                        |
| 71..... | دلویبیا خاصیتونه اوفایدې:                  |
| 71..... | دهندوانې خاصیتونه اوفایدې:                 |
| 71..... | نسیان هیره پیداکیدونکي شیان:               |
| 72..... | دمشک خاصیتونه اوفایدې:                     |
| 72..... | درنجو صحیح طریقه:                          |
| 73..... | دخوشبوئي فایدې او خاصیتونه:                |
| 74..... | دشیپې اوپه جاموسره دجارو کولو نقصانونه:    |
| 74..... | دمختلفو خوراکنونو جمع کولو نقصان:          |
| 74..... | دخوراک څخه ورسته سپورت کول:                |
| 75..... | دمسواک فایدې او خاصیتونه:                  |
| 76..... | دخوب فایدې اونقصاناتونه:                   |

|    |                                                      |
|----|------------------------------------------------------|
| 77 | ..... دآب زمزم فايدي او خاصيتونه:                    |
| 77 | ..... دابوخيئينلو صحيح طريقه:                        |
| 79 | ..... درتولو غوره اوبه کومي دي؟                      |
| 79 | ..... ددوايانودوه قسمونه دي:                         |
| 80 | ..... دعام تعويذ دکولو حکم:                          |
| 81 | ..... دمنتر (تعويذ) حکم:                             |
| 81 | ..... په روحانيادوياتوسره د علاج طريقه:              |
| 83 | ..... دويمه حصه:                                     |
| 83 | ..... دالله تعالیٰ په نومونوسره علاج کول:            |
| 83 | ..... په دعاويلوسره دتبی علاج:                       |
| 83 | ..... دسترگي دتکليف دعا:                             |
| 84 | ..... دعامونا جوړيو دپاره دعا:                       |
| 84 | ..... دمار خوړلي دپاره دعا:                          |
| 85 | ..... دقران کریم څخه دجسماني اورو حاني ناروغيو علاج: |
| 86 | ..... دسوره فاتحي خاصيتونه:                          |
| 86 | ..... دليوننتوب ليري کولو عمل:                       |
| 87 | ..... دهر قسم درد دپاره عمل:                         |
| 87 | ..... ددير امراضو دپاره دعا:                         |
| 88 | ..... دلرم خوړلي دپاره دعا:                          |
| 89 | ..... دزخم اودانو علاج:                              |

|                                            |     |
|--------------------------------------------|-----|
| دطاعون او وبا علاج:                        | 89  |
| دوباطبی علاج:                              | 91  |
| دسحر جادو علاج:                            | 92  |
| دنمله علاج:                                | 94  |
| دنقصان لري کولو علاج:                      | 94  |
| دنظر کیدلو علاج:                           | 95  |
| دبدنظر علاج:                               | 97  |
| دبدنظر زخم:                                | 98  |
| دهر قسم بلا او آفتونو څخه دحفاظت دعا:      | 98  |
| دغم او فکر ليري کولو دپاره دعا:            | 99  |
| دحاجت پوره کولو دپاره دعا:                 | 99  |
| دلويي سپی دخور لودپاره دعا:                | 99  |
| دماشومانو دحفاظت عمل:                      | 99  |
| دآسيب ليري کولو علاج:                      | 100 |
| دجسم دحفاظت دپاره دعا:                     | 100 |
| دقرض دادا کيدو دپاره دعا:                  | 100 |
| دغم او فکر دپاره دعا:                      | 101 |
| دشیطان څخه دحفاظت دعا:                     | 102 |
| دبدن دروغوالي دپاره دعا:                   | 102 |
| دهر قسم شر او آفتونو څخه دحفاظت دپاره دعا: | 102 |

|                                       |     |
|---------------------------------------|-----|
| دناجوری او غم لیری کیدولودعا:         | 103 |
| دهر قسم شر او بلاڅخه دحفاظت دعا:      | 104 |
| د دعا ذالنون دویلو طریقه:             | 104 |
| د خپل ځان او همسایه دحفاظت دپاره دعا: | 105 |
| دنسیان (هیری) دعا:                    | 105 |
| د قرض دادا کیدو دعا:                  | 106 |
| د حیوان د سر کښی په وخت کي دعا:       | 106 |
| دهر قسم ناجور یو دپاره دعا:           | 107 |
| د غرقیدو څخه دحفاظت دعا:              | 107 |
| د جادو لیری کولودپاره دعا:            | 107 |
| د پریښانی او تکلیف دعا:               | 108 |
| د غلو څخه دحفاظت دپاره دعا:           | 108 |
| د ناروغي څخه د شفا پیداکولودعا:       | 108 |
| د زړه د سختی دپاره دعا:               | 109 |
| د فقر اولوړی لیری کولودپاره دعا:      | 110 |
| د ولادت د اسانتیا دپاره دعا:          | 110 |
| د وسوسې دفعه کولودپاره دعا:           | 111 |
| د ورک سوي شي دپاره دعا:               | 111 |
| د بازار د شر څخه دحفاظت دپاره دعا:    | 111 |
| د ناروغي څخه دحفاظت دعا:              | 112 |

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| دفعش (بدر دڅخه) دحفاظت دپاره دعا: | 112 |
| دوسو سوڅخه دحفاظت دپاره عمل:      | 112 |
| دنعمت دزیاتیدو دعا:               | 113 |
| دمال دزیاتیدلو دعا:               | 113 |
| ددرود شریف فایده او خاصیتونه:     | 113 |
| یادونه:                           | 115 |

قُلْ هُوَ الَّذِي آمَنُوا هُدًى وَشِفَاء:

ترجمہ

وواہ ای پیغمبرہ دادمونانودپارہ ہدایت اوشفاء دی

## طب نبوی

پہ دی مشہور اومتبرک کتاب کی دھر رقم  
ناجوریو علاجونہ دقرآن اوحديثو پہ رناکی بیان  
سویدی پہ ہر کور کی دساتلوقابل دی۔

مصنف: مولانا حافظ اکرام الدین واعظ رحمة الله عليه

مترجم: حافظ فضل محمد عمر

ناشر: عمر خیر ندویہ تولنہ قندھار

## ددي کتاب ټول حقوق دخپړندويه ټولنی سره محفوظ دي:

### دکتاب لنډه پيړندنه:

دکتاب نوم-----طب نبوی □

مصنف-----مولانا حافظ اکرام الدين واعظ رحمة الله عليه

پښتو ترجمه ----- حافظ فضل محمد عمر

کمپیوټر سمبالونکي ----- عمر خپړندويه ټولنه قندهار

تعداد چاپ ----- ۱۰۰۰

د چاپ کال ----- ۱۴۳۶ هجري

ناشر ----- عمر خپړندويه ټولنه قندهار

اړیکه ----- ۰۷۰۰۸۸۶۳۰۰

د خپرونې لړ ----- (۱)

بلغ العلی بکماله  
کشف الدجی بجماله  
حسنت جمیع خصاله  
صلو علیه واله

## ديباچه او مقدمه دمصنف:

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ الحمد لله الذي هو يطمعني ويسقيني  
 واذا مرضت فهو يشفين والذي يميّتي ثم يحييني والصلوة  
 والسلام على خير خلقه محمد وآله واصحابه اجمعين: ورسته  
 هر انسان ته دهر څه درمخه دا زده کول پکار دي چې الله  
 □ زه صرف او صرف د عبادت دپاره پيدا کړي يم. دالله  
 □ عبادت درهغه وخته پوري په بڼه او کامله توگه نسي کيداي  
 ترڅو چي انسان دپوره صحت او روغتيا خاوندنه وي صحت  
 او روغتيا پردي باندي ولاړ دي چي بنده خپل جسماني  
 روغتيا ته پاملرنه وکړي. په عام ډول د دې دپاره څلور  
 مروجي طريقې دي. دعا، تدابي، عمل، پرهيز، ليکن  
 د جسماني مرضونو بعضي علاج کونکي مثلاً جالينوس وغيره  
 چي هغه صرف په تجربه قائل دي دمرض ليري کيدو لپاره  
 دعا کافي نه بولي. او د مسلمانانو په حق کې وائي چي دوي  
 ناپوه خلگ دي ځکه چي دمرض ليري کيدو دپاره ددعاء قائل  
 دي. ددوي دافکر دي چي ددعا تعلق يوازي دژبي سره دي  
 او په جسماني مرضونو کې ددې هيڅ اثر نسته ليکن  
 دامفکوره غلطه ده ځکه دخبرو په اثر کولو باندېهر سړي  
 پوهيږي لکه چي يومشهور متل دی (دتوري زخم جوړيږي  
 خودژبي زخم هيڅ کله نه جوړيږي) دمثال په ډول که يوکس  
 وبل کس ته بده خبره وکړي نو حتماً مخاطب په زړه کې  
 دکسات جذبه راپيداسي. دغه رنگه دښه خبري اثر هم دظاهر  
 څخه دانسان وزړه ته رسيري کله چي ديو معمولي انسان په  
 خبره کې دومره اثره سته نودالله □ په کلام کې به ولي اثر نه  
 وي؟ ددې سره سره که څوک ددعا قائل نه وي نو ښکاره

خبره ده چی ددهغه ناپوهیده. ځکه چې مذکور کس دښه اوبدي خبري داثري قائل دي. خودالله تعالیٰ □ دکلام داثري قائل نه دی. نتیجه دخبروداده الله تعالیٰ □ انسان ددوشیانوڅخه جوړکړی دی یوجسم (بدن) دویم روح رسول الله □ چی رحمة العالمین دی دروحانی مرضونوسره په څنگ کی دجسماني مرضونو علاج (تداوي) رابښوولی ده. ځکه که چیري رسول الله □ تاسوته دجسماني ناجوړیو علاج نه وائی درښودلي نو داسلام دښمنانوبه دښي اودهغه څخه په ورسته دامت دعالمونوپه حق کی اعتراضونه کوه لای. چي الله □ ته دتولي دنیادپاره رحمت څنگه رالیرلي یی؟ ځکه چي دښه جسم خوهم په دنیاکی داخل دی اوتاته دهغه داصلاح هیڅ خبر نسته. نو دبدن دپاره په هیڅ صورت رحمت نه سی بلل کیدای. نو دغهاعتراض ته جواب ویل دهر چادپاره مشکل وو. نو ددي کبله الله تعالیٰ □ ونبی کریم □ ته دبدن اوروح دواړو علاج ښوولي دی. خوپه دي خبره ځان پوهول ضروري دي چی حکماء جسماني علاج یوازي په دوا باندي کوي. دوي په دوا او دعادواړوسره دخپل امت علاج کوي ولی چی داتجربه دمودوراهیسي موجوده ده چي ډیر داسي مرضونه سته چي دهغه علاج په تداوي کولوسره نه کیري. لکه جادو، پیړی، اونظر کیدل ددغه مرضونو علاج یوازي دالله □ په مقدسونو مونو مبارکانو او دعاووسره کیري بلکه ډیر عملونه لادرځه انسان ته وربښودل سويدي چي دهغوپه کولو او عملي کولوسره هیڅ بلانه سی راتلای. دهغه تفصیلي بیان به انشاء الله په کتاب کی هم راسي. دا خصوصیت یوازی دانبیاء علیهم السلام دي چي دناجوړیدراتگ څخه درځه علاج وښی او درحمة العالمین هم دغه معني ده. دا خبر

د یادولو وړه چې د طب نبوي تعلق دوحی سره دي او عام  
 دنیاوي علاجه یو آزی تجربه ده بعض خلک تجربه یقین ته  
 نژدې بولي لیکن تجربه دوحی مقام ته هیڅ کله نه سي  
 رسیدلي نوکه چیري څوک د طب نبوي په ذریعه دخپل جسم  
 علاج کول غواړي نو هغه ته پکار ده چیلمری په خپل زړه  
 کي د طب نبوي په اړه په خپل زړه کي عقیده ټینګه  
 اومضبوطه کي ولي چي ددې څخه بغير فايده نه  
 حاصليري. که څوک په دي کي خپل عقل ته دخل ورکوي  
 نو هغه ددې دفايدوڅخه محروميږي ولی چي انبياء عليهم  
 سلام معالج روحاني دي څرنگه چیددوي روحاني علاج  
 وعقل ته نسوونوتلای دغه رنگه جسماني علاج هم د عقل  
 موافق نه سي کيدای. نو ددې کبله مسلمانانوته پکار ده چي  
 دنارو غيو علاج په تداويسره هم وکي او په دعاسره  
 هم. بايد يوازي په دواسره علاج ونه کړل سي دواهم د تدبير په  
 درجه کي ضروري ده خوشفاء ورکول دالله تعالی دطرفه  
 څخه ده اودوا دسبب اوتدبير څخه پورته اثر کونکي بلل  
 نامناسب دي اوکوم څوک چي يوازي دوابالذات اثر کونکي  
 ګڼي نو هغه مشرک دي ددغه وهم دوحی  
 بعضو عالمانو دوا مکروه بللي ده ددې دپاره چي دواخستونکي  
 ورباندي اعتماد اوباوړونکرياو دمرګ په وخت کي فرشتي  
 ووايي چي ذلک ماکننت منه تحيد (يعني دا هغه مرګ دي چي  
 ته ځني تبتيدلي) يعني چي لږ بيماري به درته راتله  
 نوددواو خواته به دي ځغستل او په خپل خالق يعني  
 الله دباندييه دي اعتماد نه کوي لیکن سمه خبره داده چي  
 دواکول هم سنت ده اوضروري ده ځکه چي اسامه بن  
 شریک فرمائي زه يوه ورځ درسول الله په خدمت کي

حاضر سوم خلقو پوښتنه ځني کول چي يارسول الله ﷺ که موږ دناجوړي په وختکي دواکو وکومه گناه خونه ده؟ داچي رسول الله ﷺ واوريدل نووئي فرمائل چي دواکوئ اي دالله ﷻ بندگانوالله تعالي ﷻ چي څومره مرضونه پيدا کړي دي نودهغودپاره ئي دواياني هم پيدا کړي دي ليکن مرض دمرگ ددي څخه ماسواډي ددي حديث شريف څخه معلوميري چي دواکول هم جائز دي. اوداښکاره سوه چي دجسماني ناجوړيو علاج په څلور طريقوسره کيږي. ۱. په دواسره ۲. په دعاسره ۳. ديو خاص عمل په کولوسره ۴. په پرهيز سره (دبوه عمل په پريښودلوسره. اوپه دعاسره علاج کول دانبياء عليهم السلام دپاره مخصوص دي. په دي کي بل څوک شريک نه دي. په دي وجه په دي کتاب کي د علاج څلور طريقي په تفصيل سره ذکر کيږي اودهر علاج دپاره درسول الله ﷺ احاديث سره دکتابونودحوالي بيانيري. ورسره دعلماوواقوال هم رانقل سويدي. ځکه چي علماء درسول الله ﷺ نائبان اودحديثوشرح کونکي دي. دکم حديث اوقول ذکر چي کيږي ددي په شروع کي لفظد علاج ليکل سويديځکه دطب نبوي دپاره دالفاظ مناسب دي په دي لنډاو مختصر کتاب کي بابونه اوفصلونه نه دي ورکړل سوي ځکه دادلويو کتابونودپاره مناسب دي. دجسم دصحت دپاره تر ټولو ضروري علاج نکاح کول دي. ځکه نو ددي علاج څخه پيل کوم

## جسماني صحت او جوړتيا:

علاج: په صحيح بخاري شريف كي دحضرت عبادة څخه مرفوعاً روايت دي (فمن رغب عن سنتي فليس مني) ترجمه: رسول الله ﷺ فرمائي دي چي زه دښخونكاح كوم كم څوك چي زما دطريقي څخه انكاركوي هغه زما څخه نه دي. اوپه سنن ابې داود، نسائي او حاكم كي دمقل بن يسار څخه مرفوعاً روايت دی

" تزوجوا الودود الولود فاني مكاتر بكم الأمم" ترجمه: رسول الله ﷺ فرمائي دي دداسي ښځوسره نكاح كوي چي دخپلو خاوندانوسره مينه كوي او ډير بچيان پيداكونكي وي ځكه چي زه به ستاسو ډيروالي دكبله داخرت په ورځ نور وامتونوته فخر كوم. اوپه صحيح بخاري او مسلم كي دحضرت عبدالله ابن مسعود څخه مرفوعاً روايت دي

(يا معشر الشباب من استطاع منكم الباءة فليتزوج فإنه أغض للبصر وأحصن للفرج ومن لم يستطع فعليه بالصوم فإنه له وجاء) (ترجمه) درسول الله ﷺ حديث شريف دی چي ای دځوانانو ډلي په تاسو كي چي څوك دنكاح وس لري هغه بايدنكاح وكې ځكه چي نكاح كول سترگي دگناه څخه كېسته كوي او عورت دښځايه استعمال څخه بندوي. څوك چي دنكاح كولو طاقت نه لري هغه دي روژې ونيسي ځكه چي روژې شهوت كموي. فائده: په حديث شريف كي دوه علاجونه راوه ښودل سوه يونكاح كول. دويم روژې نيول. په نكاح كولو سره بدن دخرابي ويني او خرابو داناو ناجوړيو څخه محفوظ پاته كيږي. ليكن دډيرو جماعو څخه پر هيز لازمي

دی. ولي چي دانسان بدن کمزوري کيږي. اوپه رنگ رنگ  
 ناجورپوخته کيږي. که څوک د غربت په وجه دواډه  
 کولو طاقت نه لري. نوبایدروژي ونیسي. ځکه چي د روژي په  
 نیولوسره درطوبت زیاتوالي نه راځي اود بلغمي امراضوڅخه  
 خلاصیږي. لیکن د ضروري ده چي روژه به د سنت طریقي  
 مطابق وي ځکه بعضی وختدروژو د ډیر والي دکبله د بدن  
 رطوبت وچ سی دغه رنگه آخر مزاج سوداوي سي  
 (د لیونتب بیره وي).

### دروژي مسنونه طریقه:

دروژي مسنونه طریقه داده چي په هفته کي دي دوي ورځي  
 روژه ونیسي یوه دشنبې په ورځ اوبله د پنجشنبې په  
 ورځ. ځکه چي ددي حکم په مسلم، ابوداود، او ترمیزي کي په  
 ډیر وحدیثوکي راغلی دی اوپه هره میاشت کي دي دري  
 روژي نیسي دارسول الله ﷺ په څو طریقوسره نیولي دي. دنیتي  
 په حساب د دیارلسم، څوارلسم، او پنځلسم ورځ به رسول  
 الله ﷺ روژه نیول. او کله به یی دورځوپه حساب سره په میاشت  
 کي یوځل روژي ونیولي دشنبې یکشنبې او چهارشنبې په  
 ورځوکي. اوپه بله میاشت کي به یي دنهې سه شنبې  
 او چهارشنبې په ورځو روژه ونیول. جامع ترمیزي د حضرت  
 عائشې رضی الله تعالیٰ عنہا څخه یو حدیث رانقل کړيدي چي  
 بعض وختونه به رسول الله ﷺ دورځو اتاریخ خیال نه ساتي  
 خو کله چی به یی وغوښتل نو دادرې روژي به یی نیولي. دغه  
 حدیث مسلم، ابوداود، او ترمیزي رانقل کړيدي. اوپه ټول کال  
 کي سنت طریقه داده چي دروژي مبارکي میاشتي روژه  
 پوره ونیول سي، اود کوچني اختر د میاشتي شپږ روژي، دمحررم

دمياشتي دوي روژې، دلوي اختر دمياشي نه روژې په اولولس ورځو کي، کوم بنده چي داروژې په مسنونه طريقه سره ونيسي دهغه بدن رطوبت به نه ډير کم اونه به ډيروچ سي. مصنف د غايعه الاحکام ليکلي دي چي کوم بنده چي دناچاري دکبله نکاح نسي کولاي، روژه هم نسي نيولاي، نودشهوت دکمولودپاره علاج هم صحيح دي.

### کله چي نوې ناوې کورته راسي:

علاج: نودناوې لاس دي ونيسي اودادعادي ووائي

الهم اني اسئلك من خيرها وخير ما جبلتها عليّ واعدتك من شر ما جبلتها عليّ (ترجمه) اي الله ﷻ زه ددي دبنه والي اوددي دعيبونودبنه والي سوال کوم اوددي ددي اوددي دعيبونوددي څخه پناه غواړم. فايده: داروايت په ابوداوداوپه نورو کتابو کي دعمر وبن سيف څخه رانقل سويدي. ددي دعا برکت دادي چي الله ﷻ ددي بنهي څخه بدوالي ليري کي. اوپه دغه کور کي نيکي خپره سي. اوکه څوک مينځه، مري، اويوايو حيوان رانيسينودهغه پرتندي باندي دي لاس کيږدي اودغه دعادي ووائي. اوپه شرعة الاسلام کي داطريقه دسنت موافق داسي ليکلیده چیکله ناوې کورته راوستل سي نودهغي دواړي پيني دي پريمنخل سي هغه اوبه دي دکورپه کونجانو کي وپاشل سي. الله تعالي ﷻ به په کور کي خير اوبرکت راولي.

## دجماع په وخت کي دشيطان څخه حفاظت:

علاج: دجماع څخه مخکي دې دادعاوایي.

بسم الله الهم جنبنا الشيطان وجنب الشيطان مارزقنا: (ترجمه)  
(شروع کوم په نامه دالله □ اياالله □ مور دشيطان څخه ليري که  
اوکوم نعمت چي تامور ته راگری دی دهغه څخه شيطان  
ليري که داروايت په ډيرو کتابونو او احاديثو کي سته که څوک  
وغواړي نوکتليبي سي. فايده: ددې دعا په برکت سره اولادنيک  
بخت اوشيطان ورڅخه تښتي.

## دکوروالي صحيح وخت :

علاج: فقيه ابواليث په خپل کتاب بستان کي ليکلي دي چي  
دکور والي دپاره ترټولو ښه او غوره وخت دسپي آخري  
حصه ده. ځکه دسپي په اوله حصه کي معده دغذاڅخه ډکه  
وي. دکوروالي په وختکي بايدمخ وقلبي ته نه وي.

## دکوروالي آداب :

علاج: سړی اوبښه بايددکور والي په وخت کي لڅ نه وي په  
يو شي بايدپټ وي. ځکه چي رسول الله □ فرمايلي دي  
تاسو دوحشي حيوانانورنگه ځانونه مه لڅوئ. او فقيه ابواليث  
په خپل کتاب بستان کي ليکلي دي چي په لڅ بدن کوروالي  
څخه اولاد بي حيا پيدا کيږي. حضرت علي رضي الله تعالي  
عنه فرمايلي دي رسول الله □ ته يوسړی راغی داشکایت يی  
وکی چي زما په کور کي اولاد نه پيدا کيږي. رسول الله □ ورته  
دا علاج وښود. چی ته اگی خوره دحضرت ابوهريرة رضي  
الله تعالي عنه څخه روايت دی چي رسول الله □ خپل دمردانه

قوت (قوت باه) شکایت و جبرائیل علیه السلام ته  
 وکینو جبرائیل علیه السلام ورته وفرمايل چي تاسو هر یسه  
 خورئ. ځکه په دې کي دڅلویښتو څلوگوطاقت  
 موجوددی. حضرت انس ابن مالک رضي الله تعالي عنه  
 فرمایلي دی چي درسول الله ﷺ حدیث دی چي تاسو نکريزي  
 استعمالوئ ځکه نکريزي مردانه قوت (قوت باه) پيدا کوي. او  
 حضرت هزيل بن حکم رضي الله تعالي عنه فرمایلي دی  
 چي درسول الله ﷺ حدیث دی چي د بدن څخه  
 دوریښتانو پوستکي ليري کول قوت باه زیاتوي. داڅلور  
 حدیثونه غایة الاحکام ذکر کړي دی.

### دکوروالي په وخت کي خبري کول:

علاج: فقیه ابوالیث په خپل کتاب بستان کي لیکلي دي چي  
 دکوروالي په وخت کي پيري خبری مه کوئ داو لاددگونگي  
 پيدا کیدو خطره ده.

### بغير دغسل څخه دکوروالي تاون:

علاج: که چاته یو واري احتلام سوي وي او بغير دغسل  
 کولو څخه دوهم ځل د خپلي ښځي سره کوروالي وکي  
 نو دا خطر ه سته چي اولاد به بخیل او یالیوني پیداسي. دداسي  
 کړني څخه ځان ساتل پکار دي. دا علاج صاحب احیاء په  
 بستان کي لیکلي دی.

## په ولاړي کوروالي کول:

علاج: صاحب فقيه ليکلي دي چي په ولاړي سره د کوروالي څخه د بدن ضعف او کمزري پېښيري. او په ډک نس کوروالي کول مناسب نه دي ځکه اولادکم عقل پيدا کيري.

## دمياشتي په نيمائي کي کوروالي کول:

علاج: ابونعيم په کتاب الطب کي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ وحضرت علي رضي الله تعالي عنه ته فرمايلي وه چي اي علي رضي الله تعالي عنه دمياشتي په نمائي (پنځلمه نيټه) کي کور والي مه کوه ځکه په دغه نيټه کي شيطان راځي.

## دکوروالي څخه ورسته بولي کول:

علاج: صاحب شرعة الاسلام ليکلي دي چي دکور والي څخه د فارغ کيدو ورسته بايد بولي وکړل سي کنه نو په لا علاجه ناجوري به اخته سي.

## دکوروالي څخه ورسته استتجاو هل:

علاج: فقيه ابوليث ليکلي دي چي دکوروالي څخه ورسته خپل اندام مخصوصه پرېمنځل ضروري دي ځکه بدن ته طاقت ورکوي. خودکوروالي څخه متصل نه بلکي څه وخت ورسته ولي چي متصل دتبي خطر ه سته.

## دکوروالي په وخت کې دښځې شرمگاه ته کتل

علاج: صاحب شرعة الاسلام ليکلي دي چې دکور والي په وخت کې دښځې شرمگاه ته مه گورئ ځکه چې دا ولاددړانده پيدا کيدو خطر ده.

## دکوچني دپيدا کيدو ناجوړی اودهغې علاج:

علاج: فتاوي حجت ليکلي دي چې که دکوچني دپيدا کيدلو په وخت کې تکليف وي نو داتعويز دي وليکلي په سپين رنگ توکر کې دي پوښ ورکي او دښځې په چپه ورانه پوري دي وتړي نو انشاء الله دماشوم دزيږيدو په وخت کې به ورته تکليف نه وي تعويز دادي. (بسم الله الرحمن الرحيم وَأَلْقَتْ مَا فِيهَا وَتَخَلَّتْ 4 وَأَذْنُ لِرَبِّهَا وَحُقَّتْ أَهْيَا) (ترجمه) شروع کوم په نامه دالله ﷻ چې رحمن اورحيم دي اوکله چې مخکې راوباسي چې څه پکښې دي او خالي کړل سي او دخپل رب حکم واورې هغه ددې لائق دی.

## دکوچني په غوړ کې داذن او اقامت ويلو فايدي:

علاج: کله چې کوچني پيداسي نو دهغه په راسته غوړ کې دسهار آذان او په چپه غوړ کې اقامت کول لازمي دي. ددغه آذان او اقامت په برکت سره کوچني دام الصبيان څخه محفوظ او په امن کيږي. په احياء العلوم کې دا علاج ليکلي دي. دحصى حصين په حاشيه کې دامضمون ديوه حديث مرفوع څخه ثابت سوي دي.

## خرماژول اودکوچني په خله کي ورکول:

علاج: دکوچني دپيدا کيدولې وروسته دې لږ خرماژول سي اودکوچني په خله کي دې ورکړي. اودکوچني دپاره دي دعاو کي. دبعضي عالمانو دانظر دي چي په دغه علاج سره کوچنی دښه اخلاقو خاوند ، حلیم ، او بردباره سړی جوړیږي.

## دکوچنی نوم په اوومه ورځ ایښودل:

علاج: په حدیث شریف کي راغلي دي چي کله کوچنی پیداسي نو په اوومه ورځ ښه او غوره نوم پر کوچنی ایښول ضروري دي ځکه رسول الله ﷺ فرمایلي دي چي دکوچني دپاره ښه نوم انتخاب کئ لکه عبدالله عبدالرحمن بدنوم دکوچني دپاره بدفالي (شگون) دی. دکوچني سر وروخړوئ دوریښتانو دوزن په اندازه چاندي خیرات کئ او یو یادوه پسونه حلال کئ او خیرات یی کئ ددې په برکت سره به کوچنی محفوظ سي.

## دبدنظر څخه دحفاظت تعویذ:

علاج: که کوچنی نظر سوي وي نو داتعویذ دي ولیکل سي اودهغه په غاړه دي سي تعویذ دادي.

اعوذ بکلمات الله التامة من كل عين لامة (ترجمه) پناه غواړم الله ﷻ دکلمات تامة په ذریعه دشيطان مردود او دهر بدنظره څخه. فایده: دکوچنیانو دنظر کیدو څخه دساتلو دپاره داتعویذ ډیر مجرب دي. په حدیث شریف کي راغلي دي چي رسول الله ﷺ دغه تعویذ حسن او حسین ته ورپه غاړه کړي وه.

## د کوچنيانو په اخلاقو باندې د شيدو اثر:

علاج: په تفسير زاهدي کښي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي خپل کوچنيان د بدو ښځو د شيدو خوړلو څخه وساتي ځکه د شيدو اثر د کوچني په بدن او اخلاقو باندې کيږي.

## د خوراک په وخت د شيطان څخه حفاظت:

علاج: کم سړی چي غواړي د خوراک په وخت کي دې د شيطان د شر څخه محفوظه سي نو هغه بايد د بسم الله په ويلوسره په خوراک شروع وکړي. خوراک بايد په راسته لاس سره وکړي. ځکه چي شيطان په چپه لاس سره خوراک څښاک کوي. په کوم خوراک چي د الله ﷻ نوم ذکر نه سي نو هغه د شيطان دپاره حلال وي داروايت ابوهريره رضي الله تعالي عنه رانقل کړي دی.

## د مالګې څکلو فايدي:

علاج: صاحب جامع کبير د حضرت علي رضي الله تعالي عنه څخه نقل کوي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي خوراک په مالګه څکلوسره شروع کوي ځکه چي په مالګه کي داوي (۷۰) ناروغيو دپاره شفا اچول سوي ده چي دهغو د جملې څخه يو څو دادي جذام، ليونتوب، دنس درد، او د غاښ دردو غيره والله ﷻ اعلم.

## دناروغ سره ډوډي خوړل:

علاج: که اتفاقاً یو څوک دناروغ سره په ډوډي کې ملګري سي نو دادعا دي وائي. بسم الله ثقة بالله وتوکل علیه (ترجمه) شروع کوم په نامه دالله □ سره اوپه ده باندې باور کوم او خوراک کوم. ددې دعادو یلوپه برکت سره به دناروغ دناروغي څخه په امن سي.

## دخوراک په وخت کې یوڅو دعاوي:

دخوراک ورسته دادعاده (الهم بارک لنافیه واطعمنا خیراً منه) (ترجمه) اي الله □ زموږ دپاره په دې کې برکت واچوه او ددې څخه بهتره راکئ. چې شیدې څینو نو دادعابه وایو (الهم بارک لنافیه وزدنافیه) (ترجمه) اي الله □ زموږ دپاره په دې کې برکت واچوه او زموږ دپاره دازیات کئ. انشاء الله □ ددې دعاوپه ویلو سره په خوراک کې برکت راځي.

## په خوراک کې دبرکت پیدا کیدو دپاره:

علاج: فقیه ابوليث دحضرت حسن رضی الله عنه څخه روایت نقل کړي دي چې رسول الله □ فرمایلي دي چې دلوبني دمینځ څخه خوراک مه کوئ ځکه چې په مینځ کې برکت نازلېږي دا حدیث سعید بن جبیر رضی الله عنه دحضرت عباس رضی الله عنه څخه را نقل کړي دی.

## دبدھضمی مجرب علاج:

علاج: په قادری کې لیکلي دي چې په تکیه وهلو سره خوراک کولو څخه بدھضمي پیدا کېږي. فایده: په بستان کې لیکلي دي

چي ديوډي څخه درمخه اوورسته دلاسو په پريمنځلوسره  
برکت راځي. درسول الله ﷻ ارشاددي چي زه په تكيه  
لگولوسره خوراک نه کوم ځکه په تكيه لگولو، ولاړي، په  
سورلي سپور، دخوراک دخورلوڅخه بدهضمي  
پيدا کيږي. ددې په خلاف خورلوسره هضم کيږي او تکبر  
(غت والي) ليري کيږي.

### د غريبې او محتاجې څخه حفاظت:

علاج: صاحب مطالب المومنين د حضرت علي رضي الله عنه  
څخه نقل کوي چيکه پر چاباندي غسل وي نوبغیر غرغري  
څخه دي خوراک نه کوي ځکه دخوراک په کولوسره  
د غريبې او محتاجې خطر ده.

### د فرشتو دعا خستل:

علاج: په بستان او نور وکتا بونو کي د حضرت جابر بن عبدالله  
رضي الله عنه څخه روايت دی چي رسول الله ﷻ فرمائي دي  
چي کم بنده چي لوبني وختي او پاک يی کړي نو هغه لوبنی  
دده په حق کي دعا کوي چي اي الله ﷻ دغه بنده  
داورڅخه خلاص کړه څرنگه چي ده زه دشيطان دخټولوڅخه  
خلاص کړم. رسول الله ﷻ فرمائي دي چي دا الله ﷻ مقرري  
فرشتي دهغه سړي دپاره دعا کوي کم څوک چي دخوراک  
ورسته گوتي څټي. ددې عمل په کولوسره د تکبر د مرض  
علاج هم کيږي.

## درزق د فراخي تدبير:

علاج: په عمره الاسلام کي در رسول الله ﷺ ارشاد دی هغه څوک چي هميشه دسترخوان څخه لويديليطعام خورئ نودهغه رزق به هميشه فراخ وي. دحضرت جابر بن عبدالله رضي الله عنه څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چيکه دگولي څخه يوڅه ولوړي نوسړی بايد هغه راپورته کي اووې خوری دشيطان دپاره يي نه پريردي. فايده ددي حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي داعمل دتکبر بنه اوبهتره علاج دی. په بل حديث شريف کي راغلي دي چي څوک دسترخوان څخه لويديلي طعام راپورته کي اووې خوري نودادجنت دحورودپاره مهر سي. اوالله تعالي ﷻ به دی اودده اولادونه دجدام، برص (برگی) اودليونتب دمرضه وساتي.

## دبرکت حاصلولودپاره عمل:

علاج: په عمره الاحکام کي در رسول الله ﷺ څخه روايت دي چي فرمايلي یی دي اي خلگوپه شريکه (جمع واري) خوراک کوي ځکه چي په دي کي الله تعالي ﷻ برکت اچوي. د حضرت جابر رضي الله عنه څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي تر ټولو بهتره اوخوړخوراک اوږدوي هغه ده چي ډير لاسونه پکښي وي (ډير خلگ یی په خوړلوکي شامل وي). اودرسول الله ﷺ ارشاد دي چي ډير بدخلگ هغه دي چي يوازي ږوږی خوري، خپلي مينځي وهي، خپله مهرباني بندوي، اونکاح کوي دلاس سره (مت وهي). در رسول الله ﷺ ارشاد دي چي په ډيري (جمع واري سره) خوراک کولوکي شفا ده. په بستان کي ليکلي دي در رسول الله ﷺ ارشاد

دي چي خوراک سړوي اوبيايي خوري ځکه په گرم خوراک کي برکت نه وي. فايده: په بعضي کتابوکي داهم ليکلي دي چي په گرم خوراک خورلوسره معده ضعيفه او کمزوري کيږي.

### دخوراک هضم کولو علاج:

په ابو داودکي دام معبد څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي سرکه بهتره کتغ دي اي الله ﷻ په سرکه کي برکت واچوي. فايده: په جامع کبير کي ليکلي دي چي په سرکه کي داحکمت دي چي خوراک هضم کوي. ابن حبان د عطا څخه اود حضرت ابن عباس رضی الله عنه څخه روايت کړي دی چي رسول الله ﷺ ته خوښ په ټوله سبزيواوکتغوکي سرکه وه. اود حضرت جابر بن عبدالله رضی الله عنه څخه روايت دی چي سرکه بهتره کتغ دی. اود رسول الله ﷺ ترکاري (سبزي) هم ډيره خوښه وه. په کنز العباد کي ليکلي دي چي پرکوم سترخوان ترکاري (سبزي) وي نو هلته فرشتي راځي.

### دزړه دطاقت علاج:

علاج: مسروق وائي چي زه يو ځل د حضرت عائشي رضی الله تعالي عنها خواته حاضر سوم ومي ليدل چي دهغي سره نژدي پوروندسري ناست دی او حضرت عائشي رضی الله تعالي عنها دترنج (ترنج لوني ليمبو ته وايي) يوه تکره دشاتو سره لگوله اوپهغه روندسري ئي هوارول ماپوښتنه ځني وکړه اي ام المومنين داڅوک دي؟ هغي راته وفرمايل چي داهغه څوک دي چي دده په وجه الله تعالي ﷻ خپل نبي ته په قهر سوي وو (دهغه نوم عبدالله ابن مکتوم رضی الله عنه

وو(ابونعيم داحديث په كتاب الطب كي رانقل كړي  
 دى.فايده:ددې حديث متعلق شارح ليكلي دى چي ترنجبين  
 دغسلو سره په نهاره خوړل زړه اودماغ ته ډيره فايده  
 رسوي.

### دمچ دزهر وڅخه شفاء:

علاج :په نسائي كي دحضرت ابوسعيد خدري رضی الله عنه  
 څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي كه په خوراك  
 كي مچ ولويږي نو هغه ته په دغه خوراك كي غوټه وركئ  
 ځكه ددوي په يوه وزر كي زهر اوپه بل وزر كي شفاء ده  
 عادت يى دادى چي اول دزهر ووزر وركښته كوي داحديث  
 ابوداو دحضرت ابوهريره رضی الله تعالى عنه څخه هم  
 نقلكړل سوي دى.فايده:ددې حديث څخه دامعلومه سوه چي  
 مچ دزهر ووزر اول غوټه كوي نو غوټه ځكه وركئ چي دوهم  
 وزر چي شفاء پكښې ده هغه هم غوټه سي اواعتدال راسي  
 زهر بي اثره پاته سي.

### په خوراك څښاك كي دزهر وڅخه حفاظت:

علاج:په كنز العباد كي ليكلي دي چي كله څوك خوراك  
 څښاك كوي نوداد عادواي ددې په بركت سره به دخوراك  
 څښاك دمضرواثراتو څخه محفوظ پاته كيږي دعاداده

بسم الله خير الاسماء بسم الله رب الارض والسماء بسم الله  
 الذي لا يضر مع اسمه شئ في الارض ولا في السماء  
 وهو السميع العليم(ترجمه)شروع كوم دداسى الله ﷻ په نامه چي  
 دټولونو موڅخه لوړدى اوپه داسي نوم سره چي دمځكي

او اسمان مالک دی اوپه داسی نوم سره چې دچاپه برکت سره په اسمان او مخکه کي هېڅ شی نقصان نه سي رسولاي او هغه اوریدونکي او علیم دی.

### ددې دعا یوپه زړه پوري قصه:

قصه: روایت دی چې دابومسلم خولانی یوه مینځه وه چې خپل مالکته ئې خوځله زهرورکړي وه لیکن په ده ئې هېڅ اثر نه وه کړي ډیر وخت تیر سونومینځي حال ورته ووايه چې ماتاته خوځله زهر درکړه لیکن په تائي هېڅ اثر ونه کي داڅه وجه وه مالک پوښتنه ځني وکړه چې تا زهر ولي ماته راکول؟ هغې ورته وویل چې ته سپین ژیری سوي يي اوماته ستا یوازي هډوکي ښه نه ښکاري. مالک ورته وویل چې زه همیشه داپاک کلمات په هر خوراک څښاک باندي وایم بیا خوراک څښاک ځنیکوم ددغه دعا په برکت زه دهر رقم زهر وڅخه محفوظ یم. بیاني مینځه اذاده کړه.

### دهاضمي علاج:

علاج: په ترمیزي او ابوداودکي دحضرت عائشي رضی الله عنهاڅخه روایت دی چې رسول الله ﷺ فرمایلی دي چې غوښه دخوراک په وخت کي په چاقواوچاره مه پرې کوي. ځکه دادعجمنانوطریقه ده بلکي غوښه په غاښوپرې کوی اوخوری يي. ځکه په مذکوره طریقه سره ددهضمي څخه ساتل کيړواوپه غاښونوسره میده سوي خوراک ښه هضم کيړي.

## د غاښ د تکليف علاج:

علاج: ابونعيم په کتاب الطب کي ليکلي دي چي عبدالله ابن عمر رضی الله عنه ويلي دي چي د غاښوپه نه خلولوسره غاښونه کمزوري کيږي. او په بعضي رواياتوکي داهم راغلي دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي د غاښوپه نه خلولوسره فرشتي جلا کيږي او دوي ته تکليف جوړيږي. بل علاج په کتاب الطب کي د قبيصه بن ذويب څخه روايت ديچي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي په آس (حب الاس يوقسم لرگي دی) او خوشبويه لرگي سره د غاښو خلول مه کوي. ځکه زه دابنه نه گنډم چي تاسوته جذام مرض راسي. فايده: عالمانوليکلي دي چي په لاندي ذکر سوي لرگيوسره غاښونه خلولول مضر او خطر ناک دي انار، بانس، نالن، او هغه لرگي چي درخته يي ميوه کوي لکه امرت، سيب، انځر، اونور. په سرو زرو، چاندي، اوتانبه پيټل اونوروسره هم د غاښو خلولول مناسب نه دي ځکه خله بدبويي ځني پيدا کوي. د غاښونو د خلول دپاره تر ټولو بهتره اوبښه تريخ لرگي دی.

## په خوراک څښاک کي بي برکتی:

علاج: د حضرت عائشي رضی الله عنها څخه روايت دی چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي د ډوډي په پوه کولوسره برکت پورته کيږي داروايت په کنز العباد کي رانقل سويدي.

## دلږ خوراک فايدي:

علاج: په کتاب الطب کي ابونعیم لیکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمایلي دي چي الله ﷻ تر نس غټ بل لوښي نه دی پیداکړي انسان باید هغه درې حصې کي یوه حصه د خوراک دپاره دوه مه دابودپاره اودریمه دساه اخستلو دپاره پریري دي. فايده: ددې حديث شریف څخه د معلومه سوه چي که دچا خوراک درې پاوه وي نو هغه لره پکار ده چي یو پاو خوراک وکړي. ددې لپاره چي صحت یی روغ جوړوي دکم خوراک ډیري فايدي دي. چي یو څو یی دلته ذکر کوم صحت یی جوړوي، حافظه او عقل یی تیز وي، د ضرورت زیات خوب نه ورځي، ساه په اساني سره اخلي، په لمانځه کي سسپاو خوبغلبه نه باندی کوي.

## ډیر خوراک تاوانونه:

علاج: د ډیر خوراک څخه ډیرینا جوړي پیداکړي مثلاً بد هضمي، هیضه ځکه خود رسول الله ﷺ د تیغونو څخه ډیر نفرت کوي. او فرمایل به یی چي دمره ډیر خوراک ولي کوی. دوهم تاوان د ډیر خوراک دادي چي په عبادت کي یی خوند نه وي. او اولادیی نااهله پیداکړي او نااهله دالله ﷻ د طرفه اود حکمت د خبرو څخه محروم وي. مطالعي ته شوق نه وي په داسي نااهله کسانو کي مهرباني نه وي او ټول خلگ دځان په رقم لوي نسي گني. نیکان خلگ د لمانځه دپاره مسجد ته ځي اودی قضای حاجت دپاره صحر اگنبت ته روان وي.

## دخاوري خورلوتاوانونه:

علاج: په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي كوم څوك خاوري خورئ گوياهغه سري ځان وژنه كوي. په جامع كبير كي دحضرت عائشي رضی الله عنها څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي اي عائشي تاسو خاوره هيڅكله مه خورئ ځكه چي دادرې تاوانونه لري اول هميشه ناجوري دوهم نس هميشه خراب وي دريم دانسان رنگ هميشه ژړوي.

## دغوبني خورلوفايدي:

علاج: په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي غوبنه دتولوكتغونو(اشپزيو)سرداره اومشره ده په دنياواو آخرتكي په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي حضرت علي رضی الله عنه فرمايلي دي چي اي خلكو غوبنه خوښه كړي او غوبنه ښه خورئ ځكه چي دغوبني په خوراك سره حلق سميري رنگ صاف معلوميزي خيټه كوچني كيږي. حضرت علي رضی الله عنه فرمايلي دي چي څوك درځلوينستوورځوپوري غوبنه ونه خورئ حلق يی لوی كيږي. په كتاب الطب كي ابونعيم ليكلي دي چي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي دغوبنيخورلوپهوخست كي زړه ته آرام رسيږي.

## د بدن دکمزوري علاج:

علاج: ابونعیم لیکلي دي یو وخت رسول الله ﷺ و الله ﷻ ته د بدن دکمزوري شکایت وکړی په جواب کي ورته وویل سوه چي په شیدو کي غوښه پخوه او خوره یی.

## دانخر فایدې:

علاج: په جامع کبیر کي لیکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمایلي دي چي دانخر په خوړلو سره سړی د قولج د ناجوري څخه محفوظ کيږي. فایده: علما و لیکلي دي چي دانخر وډیر فایدې دي مثلاً لطیف او ژر هضم کونکي دي. په طبیعت کي نرمي پیدا کوي. د بدن څخه سودا دخولې دلارې باسي. په بعضي احادیثو کي راغلي دي چي انخر خورئ ځکه انخر دبواسیرو د پاره مفید دی. او په درد لقرس کي ډیر فایده مند دي. امام علي رضا فرمائي دي چي دانخر و خوراک دخلي بدبوئي ليري کوي. دسر ورینستان اوږده وي. د قولنج ناجوري دپاره فایده مند دي.

## د زیتون او د زیتون د غوړو فایدې:

علاج: ابونعیم په کتاب الطب کي لیکلي دي چي رسول الله ﷺ و فرمائل اي علي رضي الله عنه زیتون خوره. او په غوړويي بدن غوړوه ځکه چي کوم سړي چي د زیتون په غوړو ځان غوړکي در څلو یستوور څو پوري شیطان نه ورته راځي. فایده: علما و لیکلي دي چي په زیتون کي الله ﷻ رنگ

رنگ خاصیتونه اوفایدې ایښي دي که دزیتون اچار په سرکه کي واچول سي او اوخوړل سي نومعده قويکوي اشتهازياته وي. دانسان بدن قوي کوي. قوت باه زیاته وي که دزیتون مغز په اوړو او وازگه کي ګډکړه سي اودبرګي په ځاي ومزل سي نوانشاءالله برګي به ليري سي. که ښځه دزیتون شیره په بدن کي کیږدي نوسیلان به ئي بندسي. دقولنج ناجوري دپاره هم فایده مند دی. که څوک دزیتون په غوړوسر غوړوي نو غاښونه به ئي ټینګ او مضبوطه وي. دلرم دنیش و هلوپر ځاي باندی په مېنلوسره دستي یخوالي راځي (دردېښه کیږي). دزیتون غوړي ورینستان توره وي قبض ليري کوي. دزیتون په غوړوسر غوړول دسر درد ختموي.

### ترډیره وخته پوري دځوان پاته کیدو علاج:

علاج: ابونعیم دحضرت انس رضی الله عنه څخه روایت نقل کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمایلي دي چي اي خلګودشپي خوراک ضروري کوي ځکه دشپي دخوراک په پریښودلوسره ډیر ژړسری زړیري. فایده: مطلب داچي دشپي خوراک دهمیش دپاره پریښودل مضر دي. دشپي دومره خوراک بایدوسي چي هضم کړه سي.

### دخرمافایدې:

علاج: ابونعیم دحضرت ابوبکر صدیق رضی الله عنه څخه روایت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمایلي دي چي په خرماکي ترټولو بهتړه خرما برني خرما ده. ځکه چي دادنس څخه ناجوري راباسي. او په دې کي هیڅ ناجوري نسته. فایده: دبرني خرما ډیر رقمونه دي یوئې دادي چي هغه

کوچني وي مندکي ئي هم کوچني وي اودادیوه طرفه غټه  
اودبل طرفه نری وي.

### دجادواوز هرو علاج:

علاج: ابن حبان او ابونعیم دابن عباس رضی الله عنه څخه  
روایت کړي دي چي درسول الله ﷺ عجوه خرماډیره خوښه  
وه. دده ارشاددي چي عجوه خرما دجنت څخه ده. فرمایلي ئي  
دي چي په خرماکي دزهر وڅخه شفاء ده. حدیث شریف دي  
چي څوک هر سهار اووه خرماوي خوري هغه به په دغه  
ورځ کي دزهر و او جادو څخه محفوظ وي. په بعضي  
احادیثوکي راغلي دي چي عجوه دجنت څخه ده. او په دې کي  
دناجوړیو څخه شفاء ده.

### د دماغ د طاقت پیدا کولو د پاره علاج:

علاج: ابونعیم دواثله بن الاسقع څخه روایت کړي دی چي  
رسول الله ﷺ فرمائي دي چي اي خلگو کډوزیات خوري ځکه  
چي کډو دماغ ته طاقت ورکوي. عائشې رضی الله  
عنها فرمائي دي چي درسول الله ﷺ ارشاددي چي اي عائشې  
کله چي ته کتغ کوي نو کډو دیگ ته وراچوه. ځکه چي داوه  
پریشانه زړه ته طاقت ورکوي. فایده: راز په دې کي دادي  
چي دغوښي حرارت ليري کوي او اعتدال پیدا کوي.

## دزړه اودماغ دکمزوري علاج:

علاج: ابونعیم دحضرت ابن عباس څخه روایت کړي دی چې درسول الله ﷺ درتولوخوښ خوراک ثريد وو. فايده: ډوډي په بنورواکي میده کولوته ثريد وائي. علماوولیکلي دي چې داخوراک دماغ اوزړه ته طاقت ورکوي. ژر هضم کيږي. یوسیر خرماچي لنده سي اوسربيره لږکوچي ورباندي واچول سي دپته هم ثريدوائي. دحضرت ابن عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړل سوي دی چې درسول الله ﷺ ثريد ډیر خوښ وو.

## دمعدي دبخار علاج:

علاج: ابونعیم دعبدالله بن جعفر څخه روایت کړي دی چې مارسول الله ﷺ وليدي چې خټکی ئي دخرماسره خوړئې فايده: علماوولیکلي دي چې ددې په خوړلوسره دمعدي خيري ليري کيږي. ژر هضم کيږي. دختکي یخوالي اودخرماگرم والي چې سره یوځاي سي نواعتدال پيدا کړي. خرمامردانه طاقت زیاتوي. په بدن کي وینه زیاته وي. پښتورگي صفاکوي. دبلغم اویخ څخه پيدا کيدونکي ناجور یودپاره دخرمماخوراک ډیر مفید دي. که خرما دخواړه شي سره په اندازه وخوړل سي دمثاني دډبرودپاره فايده رسوي. بادرنګ دبولودبنديدودپاره ډیر مفید شي دي. دده په خوراک سره بولي ډیريږي. په طبیعت کي نرمي راځي. صفراوي مزاجه کسانودپاره دده خوراک ډیر مفید دي. خټکي وینه اوصفراء دحرارت خواته بیايي. داربری بددپاره

ډير مفيد دي. تنده ختموي. ډبولو بنديدو د مټاني ډډېر و ډپاره هم ډير مفيد دي. ډپریشاني او خارش ډپاره هم فايده رسوي.

### د دماغو دخشکي او دخارش علاج:

علاج: ابو حاتم د حضرت عائشي رضي الله عنها څخه روايت کړي دي چي رسول الله ﷺ به بادرنگ د خرما سره يوځاي خوري فرمايل به ئي د خرما گرم والي د بادرنگ خنکوالي اعتدال پيدا کوي. فايده: ددي حديث شريف څخه معلومه سوه چي بادرنگ خنګ او تردي. نو ځکه د صفر اوي اوسوداوي مزاج کسانوته ډير فايده مند دي. په دماغو کي رطوبت پيدا کوي. بندي بولي خلاصوي. د مټاني ډبريليري کوي.

### د قوت باه ډير والي:

علاج: ابونعيم په کتاب الطب کي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي زما خرما د کوچوسره ډيره خوښه ده. فايده: علما ووليکلي دي چي ددي خوراک قوت باه ډيرو وي. بدن غټوي. کوچي او غسل چي سره گډسي او واخل سي ذات الجنب (د بغل درد) ډپاره ډير مفيد دي. جسم بدن غټوي.

### دويني د صافولو علاج:

علاج: صاحب شرعة الاسلام يو حديث رانقل کړي دي چي په هرانار کښي يو څاڅکي د جنت دابوسته. فايده: په انار کي ډير فايدي دي مثلاً وينه صافه وي. خرابه وينه باسي. مردانه قوت ډيرو وي. د زړه اشناووره کوي. املونه دروي. درېوډي

ورسته خوراک ئی ژر هضمیه راولي. په خيگرکي طاقت پيدا کوي. پريشاني ليري کوي. آواز صفاکوي. بدن غتوي. رنگ ښه کوي. ډير خوراک ئی معده کمزوري کوي. تريخ انار دمعدې گرمي ورکوي. دوني جوش زياتوي. دماغ ته دمعدې خاړنه پريزيدي. گرمي ليري کوي.

### دنس درطوبت او ډير وناجوړيو علاج:

علاج: ابونعيم دحضرت بن مالک څخه روايت کړي دی چې رسول الله ﷺ به بادرنگ دمالگي سره يوځاي خوړئ. فايده: حکيمانوليکلي دي چې په بادرنگ کي رطوبت وي اوما لگه رطوبت ختموي ددې څخه علاوه دمالگي نوري هم ډيري فايدي دي. مالگه دبلغم اودصفراءمسهل دي. خوراک هضم کوي. رنگ ښه کوي. يخوالي معتدل کوي. دخوراک ورسته څکل ئی بدهضمي ليري کوي. دجذام ناجوړي دپاره هم مفيددي.

### دويني دصفاکيدو علاج:

علاج: دمعاوليه بن زیدرضی الله عنه څخه ابونعيم روايت کړي دي چې د رسول الله ﷺ په ميووکي انگور ډير خوش وه. فايده: علماووليکلي دي چې په دې کي حکمت دادی چې انگور وينه صفاکوي. بدن غتوي. په پښتورگي باندي وازگه ډيره وي. سوداوي مادي له منځه وړي اوخارج کوي ئی. دسوځلي ځاي دپاره ډير مفيددي.

## د قوت باه علاج:

علاج: ابونعيم د حضرت عبدالله بن جعفر رضی الله عنه څخه روايت کړي دي چې د رسول الله ﷺ ارشاد دي چې د پسه غوښه تر ټولو غوښو بهتره ده. فايده: علما ووليکلي دي چې په دې کي حکمت دادی چې ددې غوښې په خوړلو سره مردانه قوت ډيريزي. ژر هضم کيږي. په سينه کي طاقت پيدا کوي. د ملادر د دپاره فايده رسوي.

## په پوڅکۍ باندي دسترگو د ناجوړيو علاج:

علاج: په جامع کبير کي د حضرت علي رضی الله عنه څخه روايت دي چې د رسول الله ﷺ ارشاد دي چې په پوڅکۍ کي دسترگو د ناجوړيو دپاره شفاءسته. ابونعيم د حضرت انس بن مالک رضی الله عنه څخه روايت کړي دي چې د رسول الله ﷺ ارشاد دي چې کله جنت وځنډل نو پوڅکۍ ځني پيداسوه او کله چې مخکي وځنډل نو خزانه ځني پيداسول. پوڅکۍ يو سپين قسم نباتات دی چې په پسرلي کي راشين کيږي او په کنځلو کي خوړل کيږي فايده: علما ووليکلي دي چې پوڅکۍ درې قسمه دی. اول مويزي چې تور رنگ لري په دې کي زهر وي. د ابایدونه خوړل سی. دويم قسم سپين وي خود سور والي و خواته مائل وي ددې استعمال هم ښه دي. ددې اوبه دسترگو دپاره ډيري مفيد دي. که دچاپه سترگو کي سپين والي وي نو ددې په اوبو په يوڅو ورځي استعمالولو سره به ناجوړي ورکه سي. ددې په استعمال سره دسترگو نظر تيزيږي. بعضې علما ووليکلي دي چې که دگرمي دسببه سترگي خوړسوي وي نو يوازې دادواکافي نه ده

بايد دنور و دو اووسره يوځاي سي نوډيره فايده به وکړي. د بعضي حاکمانو رايه داده چيکه ديخ د سببه سترگي خوړسوي وي نو ددې په اوبوسره دي رانجه لاندې کي څلويښت ورځي ورسته دي ميده کي او استعمال دي کي. ديلمې ويلي دي چي ماددي تجربه داسي کړي ده چي ديوي منځي سترگي خوړسوي وي ټول طبيبان ئي د علاج څخه نااميده سوي وه نو مادر سول الله ﷺ د حديث مطابق خوړځي دهغي په سترگوکي دپوڅکي اوبه ورواچولې دخداي په فضل ددې سترگي جوړي سوي. ابو نعيم ويلي دي چي ټوله طبيبان په دې متفق دي چي پوڅکي سترگي سوځوي مگر دهغه سترگو دپاره چي دگرمي يا يخ دکبله خوړيږي.

### دپوڅکي نور خاصيتونه:

پوڅکي چي وچه کرل سي او ميده کړه سي نو دآمل دپاره مجربه دواده. که دسرکي سره گډکړه سي او پر نو باندې وټرل سي نوځای ته راولي. ډير خوړل يي اولاد بندوي. سختي مادي په بدن کي پيدا کوي او ددې ډيروالي په بدن کي غوتي (سډي) پيدا کوي. ډير استعمال څخه ئي قولنج، دمعدې درد، او فلج رنګه خطرناکي ناجوري پيدا کيږي.

### دسترگو دخوړوالي او درد علاج:

علاج: ابن سينا په خپل کتاب حاکم په مستدرک او صاحب حصن حصين ليکلي دي چي که دچاسترګه خوړسي نو دادعادي وائي انشاء الله صحت به پيدا کي. دعداده.

الهم متعني ببصري واجعله الوارث مني وارني في  
العدو ثاري وانصرني علي من ظلمني. ای الله □ زماسترگوته  
فايده ورکړه اورنائي قائمه وساته اودوي زماوارثاني  
وگرځوه اوددښمن مقابله زمابډله راکي دظالم خلاف  
زماکومک وکي.

## دسترگوڅخه دغبار ليري کولو اونظر تيزيدودپاره علاج:

علاج: علماووليکلي دي چي دچاپه سترگوکي گرځ غباروي  
هغه ته پکارده چي دهر لمانځه څخه ورسته دي داايات  
شريف وائي اوپه سترگودې دم کوي آيات شريف دادي.

فَكشَفْنَا عَنْكَ غِطَاءَكَ فَبَصَرُكَ الْيَوْمَ حَدِيدٌ (ترجمه) بس ليري  
کړه مورستاڅخه پرده پس دنن څخه به ستادسترگونظر تيز  
وي.

## دکمزوري اومردانه قوت دحرکت دپاره:

علاج: په ترمذي وغيره کي دام منذرڅخه روايت دي چي يوه  
ورځ رسول الله □ دحضرت علي رضي الله عنه سره  
زماخواته تشريف راوړي په دغه وخت کي دخرموړي  
څړيدلي رسول الله □ ددې خرموړڅخه يوڅوداني خوړلي  
اووئي فرمائلي اي علي رضي الله عنه ته کمزوري ئي دامه  
خوره. ام منذرويلي دي چي ددې ورسته ماجغندروخوري  
نورسول الله □ وعلي رضي الله عنه ته وفرمائلي چي ددې  
څخه خوراک وکه ځکه داستادپاره مفيددي. فايده: علماووليکلي  
دي چي په دغه ورځو کي دعلي رضي الله عنه سترگي

خوږوې دچاچي سترگي خوږوي نو دهغه دپاره دخرماخوړل  
تاواني دي. ځكه رسول الله ﷺ حضرت علي رضي الله عنه د  
خرمادخوراك څخه منع كړي. او كله چي دده حضور ته  
جغندر پيش كړه سوه نور رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي ته دغه  
خوره ستادپاره دامفيددي اوستا كمزوري ليري كوي. ددي  
حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي دجغندريه خور لوسره  
د بدن كمزوري ليري كيږي ځكه خو علماو وليكلي دي چي  
جغندر دمعدې سوزش ختم كوي. گرمي ليري كوي. په بدن كي  
غوتي خلاصوي. بلغم راباسي. ر عشه (گوزن) ناجوري دپاره  
هم ښه دي. كمزوري ليري كوي. په قوت باه كي حركت  
پيدا كوي.

### د خوږ سترگو علاج:

علاج: په جامع الكبير كي د حضرت ام سلمة رضي الله عنها  
څخه روايت دي چي كله به دكومي بي بي سترگي خوږ  
سوي نور رسول الله ﷺ به ورسره نزيكت (جماع) نه كول  
ترڅو چي به هغه جوړه سوي نه واي. فايده: ددي حديث شريف  
څخه دامعلومه سوه چي دسترگو دناروغي په وخت كي  
نزيكت كول ناروغي زياتوي.

### دنظر د تيزيدو علاج:

علاج: په جامع الكبير كي د حضرت عائشي رضي الله عنها  
څخه روايت دي چي در رسول الله ﷺ په رنگونو كي شين رنگ  
پير خوښ وو. په يوه حديث شريف كي راغلي دي چي شين  
رنگ اوروانو او بوته كتل دسترگو نظر تيزوي. فايده: په بعضي  
كتابو كي ليكلي دي چي كه په گرمي كي څوك د شين رنگ

عينكي استعمال كي نونظر یی تیزیری.خوپه یخ كي بیاتواني دي.

## دعام جسمانی طاقت اوقوت باه علاج:

علاج:په بعضي رواياتوكي دحضرت عائشي رضی الله عنها څخه روايت دي چي درسول الله ﷺ حيس ډيرخوښ وو.فايده:حيس ددروشيانوډيوځاي كيدوڅخه جوړيري خرما،كوچي،اومستي.ددې په خوړلوسره بدن مضبوطه كيږي.اوپه قوت باه كي زياتوالي راځي.

## په سبزی جاتوسره دناروغي علاج:

علاج:په جامع كبيركي دحضرت ابوامامه رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي خپل سترخوان په سبزي جاتوسره بنائسته كړئ.ځكه سبزي جات دالله ﷻ دنوم په برکت سره شيطان ليري كوي.فايده:علماووليكي دي چي شنه شيان لكه اوږه،پياز،مولئ،اوگندنابدوي لرونكي مرادنه دي. ځكه داشيان درسول الله ﷺ خوښ نه وو.بلكه مرادځني نانا،ترتيزك اونوردي.ځكه ناناخوراك هضم كوي.خوشحاله ونكي ده.تيغونه راولي.دمعدي څخه بادونه باسي.معهده قوي كوي.تينگه وينه نرموي.دنس چنجی وژني.قوت باه زياتوي.په ترتيزك اوساك سره بولي بڼه جاري كيږي.دتي وركونكي دپاره شيدې پيداكوي.دمثانډيري باسي.مني پيداكوي.په قوت باه كي حركت پيداكوي په نهاره خوراك ئی دتخرگودبوي دپاره مفيد دي.تخم چي یی دهگۍ دژروسره

گډسي اووخورل سي دمردانه طاقت دپاره ډيره مجربه دواده.دسپينو او توروداغودپاره ئي مېنل ډيرفايده رسوي.

### په شيدوسره جسماني طاقت پيداكول:

علاج:ابونعيم دحضرت ابن عباس رضي الله عنه څخه روايت كړي دي چي دڅښلوپه شيانوكي رسول الله ﷺ ته شيدې ډيري قدرمني وي. علماووليكلي دي چي په شيدوكي لاندې خصوصيات سته.قوت باه پيداكوي.دبدن خشكي ليري كوي.مني پيداكوي.په مخ كي سرخي پيداكوي.فضلات دبدن څخه ليري كوي.دماغ ته طاقت وركوي.په طبيعت كي نرمي پيداكوي.په دماغ كي تيزي پيداكوي كه دجهازمغز سره يوځاي سي بدن ته قوت وركوي.ډيراستعمال ئي په سترگوكي گردغبار پيداكوي.هميشه خوراك ئي په معده كي بادونه پيداكوي.دبنونودردجلاكووي.

### دعسلو خاصيتونه اودهري ناروغي څخه شفاء:

علاج:ابونعيم دحضرت عائشي رضي الله عنهاڅخه روايت كړي دي چي درسول الله ﷺ عسل ډير خوښ وو.فايده:درسول الله ﷺ عسل ځكه ډير خوښ وو چيالله ﷻ فرمائي دي چي په دې كي شفاءده.اوحكمانودعسلوبې شماره فايدې بيان كړي دي.مثلاً سهار په نهاره سره خوراك ئي بلغم ليري كوي.معده صفاكوي.فضلات ليري كوي.دبدن غوتي خلاصوي.معده په اعتدال راولي.دماغ ته طاقت وركوي.دشاشه بندي دپاره مفيددي.لوره ډيره وي.دمثاني ددرددپاره فايده رسوي.قوت باه زياتوي.دعسلونوري هم ډيري درحدوتلي فايدې دي.

## دنس د درد اود هاضمي علاج:

علاج: ابونعيم په كتاب الطب كي د حضرت ابوهرير هر رضي الله عنه څخه روايت كړي دي چي مادنس د درد څخه په مسجد كي څنگ وهلي وو چي رسول الله ﷺ تشریف راوړی پوښتنه ئې راڅخه وكړه چي ته ناجوړی یی؟ ماورته وويل هويارسول الله ﷺ نورسول الله ﷺ راته وفرمائل چي ولاړسه لمونځ وكړه ځكه چي په لمانځه كي شفاء ده په بعضي احاديثوكي د حضرت عائشي رضي الله عنها څخه روايت دي چي دالله ﷻ په ذكر (لمونځ) كولوسره خوراك هضم كيږي اودخوراك كولوڅخه ورسته دستي مه بيديرئ. په دستي خوب كولوسره زړه زنگ پيداكوي. ددې حديث څخه معلومه سوه چي دالله ﷻ ذكر (لمونځ) ددين اودنيادواړودپاره فايده منددي.

## دكنځلو(تل) خاصيتونه اودناجوړيو علاج:

علاج: ابونعيم د حضرت انس رضي الله عنه څخه روايت كړي دي چي حضرت سعدبن معاذ رضي الله عنه درسول الله ﷺ حضورته كنځلي اوخرماوړاندي كړهنورسول الله ﷻ يوڅه وخوړل ورسته ئې ددوې دپاره دعاوكړه. فايده: علماووليكلي دي چي په دې كي حكمت دادي چي دخرماسره سوداوي مواد په بدن كي پيداكيږي اوكنځلي دامادي دمنځه وړي اوخرماغوتي پيداكوي اوكنځلي ئې دمنځه وړي په دې وجه رسول الله ﷻ سره يوځاي كړي اووئي خوړلي ددې دپاره چي غذا معتدله سي. دكنځلونور خصوصيات دادي چي دحلق څخه خشونت ليري كوي. اواز صافه

وي. رگونه نرموي. چرک ليري کوي. په پښتورگوباندي  
وازگه پيدا کوي. دکنځلوشيره دمصريوسره يوځاي کول  
اوڅوړل دمعدې گرمي ليري کوي.

### په اوبوسره دتبي علاج:

علاج: صاحب سفر السعادة ليکلي دي چي تبه ددورخ دتوبش  
څخه ده ځکه نو تاسو دتبي ناروغ په اوبوسره يخوئ. په يوه بل  
حديث کي راغلي دي چي دچا تبي کيري نودري ورځي سهار  
وختي دي ولمبيري. امام احمد بن حنبل په خپل مستدرک کي  
روايت کړي دي چي کله به درسول الله ﷺ تبه سوه  
نوداوبولوبني به ئي راوغوښتي اوپه جسم مبارک باندي به  
ئې اوبه پاشلي. امام ترمذي حديث رانقل کړي دي چي تبه  
داوريوه تکره ده نوددي کبله داپه يخواوبوسره مړه کوي. ښه  
او غوره طريقه داده چي په واله کي دبهيډلوخواته  
دلمر راختلوڅخه درمخه کښيني اودادعاووائي بسم الله اله  
اشف عبدک وصدق رسولک (ترجمه) شروع کوم په نامه  
دالله ﷻ سره چي ياالله ﷻ خپل بنده ته شفاء ورکړي اوخپل رسول  
رښتني کړي. اوددردروڅوپوري دي داعمل وکړي هره  
ورځ دي دري دري غوتي ووهي. که ناجوري ښه سوه خوبښه  
ده که نه پنځه، اووه، يانېه ورځي دي داعمل وکړي. انشاء الله  
دنه ورڅوپوره کيدومخکي به ناجوري جوړه  
سي. فايده: بعضي عالمانو ليکلي دي چي دا علاج دهغه چا دپاره  
خاص دي چي دلمر دحرارت يادگرم شي دخورلويادسترياله  
کبله تبه ورپيښه سوي وي. که تبه دبلغمودکبله وي بياني  
علاج هيڅ کله دانه دي لکه څرنگه چي شکمن سړی ته قران  
کريم فايده نه سي رسولی. څوک چي دا عقیده ولري چي

دادر رسول الله ﷺ حديث دي اودهغه په برکت سره الله ﷻ شفاء ورکوي نو هغه ته به ضرور شفاء ورکړل سي انشاء الله.

## دامل بندول او غسل:

علاج: بخاري اومسلم حديث شريف رانقل کړي دي چي يوسړی رسول الله ﷺ ته راغلي چي زما دورور املونه کيږي رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي ولاړسه او هغه ته غسل ورکه هغه سړی بياراغي او عرض ئي وکړي چي يارسول الله ﷺ په دي علاج سره ئي املونه نورهم ډير سوهر رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي ولاړسه اوبياپه هغه غسل وخوره دغه رنگه دغه سړي دوه درې واره راغي ورسته رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي الله ﷻ رښتونی دي اوستادورورنس درواغجندي په بعضي رواياتو کي راغلي دي چي داسړی ولاړي اودوهم وار ئي غسل ورکړه نودده ورور جورسو. فايده: رسول الله ﷻ چي وفرمائل چي الله ﷻ رښتوني دي اوستادورورخيته درواغجنه ده نوددي مطلب دادي چي رسول الله ﷻ ته دوحی په ذريعه معلومه سوه چي ددغه سړي په نس کي يو خرابه ماده جمع سوی وه نودهغه خارجول داملوپه ذريعه ضروري وو. او غسل امل ورکونکي دي حکه رسول الله ﷻ په دي طريقه سره د هغه کس علاج وکړي.

## دجوز اوپنير خاصيتونه:

علاج: په تنزيه الشريعت کي دحضرت ابن عباس رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي

جوز هم بیماری ده اوپنیر هم لیکن چي کله دادواره شيان دنس  
څخه ووزي نونس جوړسي. فايده: په دې حديث شريف کي که  
څه هم بعضي عالمانو خبري کړي دي خوارشاد دطب مطابق  
دي. ځکه چي پنیږ په دویمه درجه کي تر اوڅنک دي اوجوز  
په دوهمه درجه کي گرم اووچ دي چي دادواره سره یوځاي  
سي نواعتال پيدا کوي اودواره یو دبل مصلح هم دي.

### دشونځو صیات اودناجوړيو علاج:

علاج: ابونعیم دحضرت ابوسعید رضی الله عنه څخه روایت  
دي چي دروم باشاه ورسول الله ﷺ ته دشونځو مړبه دتحفي په  
شکل په یوه لوبښي کي راولیرل نو رسول الله ﷺ دهغي څخه  
یوڅه وخورل. فايده ددې حديث څخه دامعلومه سوه چي دبدن  
دصحت اوقوت دپاره معجونات اوکشتي استعمالول په  
شریعت مطره کي منع نه دي. دشونځو مړبه لوړه راولي. خواره  
هضم کوي. خواگرځی ورکوي. دبدن سستي ليري کوي. بادوته  
حرکت ورکوي. حافظه زیاتوي. غلیظي مادي دبدن څخه  
باسي.

### ترډیره وخته بدن جوړساتل:

علاج: ابواللیث خیل بستان کي لیکلي دي چي حضرت علي  
رضی الله عنه فرمائي دي چي کم سړي داتمنالري چي دده  
بدن دي درډیره وخته پوري جوړروغ وي نوډه لره پکارده

چي دسهار اومانې نام ډوډې خوري اودپورڅخه خلاص وي  
اولڅې پېښې دي نه گرځي اودبځي سره دي جماع لږکوي.

### داستسقاء (وبا) علاج اودري قسمونه:

علاج: په صحيح البخاري کي راغلي دي چي ددې ناجوري  
دپاره رسول الله ﷺ څه کسانوته داوېښ بولي اوداوېښ شيدي  
يوځاي ورکړي دي چي په دې علاج سره هغه جوړ سوه  
داواقعته دلته داوردوالي دکبله نه رانقل کووکه ئي څوک کتل  
غواړي نوپه بخاري شريف کي دي وگورئ. فايده: شيخ  
الرئيس په قانون کي ليکلي دي چي داوېښ شيدي اوداوېښ  
بولي چي يوځاي کړه سي نودوبامرض دپاره ډير مفيد دي  
دوبامرض درې ډوله دي يوبرقي، دويم لمحي، اودريم طبلي  
برقي هغه ته وائي چي داوبودږي په رقم اوازکوي. اولمحي  
هغه دي چي په بدن باندي نوراځي. اوطبلي هغه دي چي په  
خپته کي ددری په رقم اوازوي.

### داوېښي په شيدواوبولوسره دلمحي علاج:

حقير په بعضي کتابوکي ليدلي دي چيکوم خلگوچي  
دااستعمال کړي وه يعني چاته چي رسول الله ﷺ دا علاج بنولي  
وودهغوي ناجوري لمحي وه.

### دزخم وينه بندول:

علاج: په سفر السعادة کي ليکلي دي چي په جنگ احدکي چي  
رسول الله ﷺ دآس څخه راولويدي په سر ئي جنگي خولۍ وه  
دهغې کړه درسول الله ﷺ په مخ مبارک ننوتلي وه چي

يوصحابي په خپلو غاښوسره نيولي وه اوراوه ئي كښل چي  
 رسول الله ﷺ غاښونه مباركڼ هم شهيدان سوي وه ورسته  
 رسول الله ﷺ وینه نه بنديدلله حضرت فاطمي رضي الله  
 عنها به پريمنځل او حضرت علي رضي الله عنه به اوبه  
 وراچولي ورسته فاطمي رضي الله عنها فرمان مطابق  
 دپوري يوه ټوټه وسوځل اودغه زخم ئي ډك كړي وینه  
 دستي ودریدل.

### دسر در داود خرابي ويني علاج:

علاج: په بخاري او مسلم كې ددې حديث مضمون دي چي  
 رسول الله ﷺ په خپلو دواړو اوږو باندې وینه كښلې ده په بعضي  
 رواياتو كې راغلي دي چي په سر كې ئي وینه كښلې ده په  
 بعضي رواياتو كې دنيم سر در دذكر دي په بعضي رواياتو كې  
 راغلي دي چي وینه كښل در دواكولو به تر دي رسول  
 الله ﷺ فرمائي دي چي په شپه دمعراج ديوې فرشتې سره  
 تيريدم هغې راته وويل اي محمده ﷺ خپل امت ته دويني  
 كښلوا مړ وكه فايده: شيخ عبدالحق محدث ليكلي دي چي مقصد  
 ددغه ځاي څخه وینه ايستل دي كه درگ په ذريعه وي كه  
 دچينې بنكر لگولو په ذريعه وي. ټول طبيبان په دې قائل دي  
 چي دررگ چينې (بنكر) لگول بهتره دي. دا خبره معلومه سوه  
 چي دوينو په ناجوريو كې وینه ايستل مفيد دي. دنيم سر  
 در دپاره هم ډير فايده رسوي. دنيم سر در دته شقيقه اود ټول  
 سر در دته داء البيضه ويل كيږي. دجالينوس دقول مطابق  
 دڅلويښتو كالو پوري چي دكوم سړي دويني كښلو عادت نه وي  
 ددې ورسته دي وینه نه كاري. په شرعة الاسلام كې راغلي  
 دي چي وینه كښل سنت دي. وینه كښل دهر مرض دپاره

مفیددی. په نهاره وینه کنبلوکي شفاء ده. په پک نس وینه کنبل صحت ته تاوان رسوي. په بستان کي لیکلي دي چي په ډیر یخ کي وینه کنبل بڼه نه دي. په شرعة الاسلام کي لیکلي دي چي په سر کي وینه کنبل دلاندي اووناجور یودوا ده جنون، جذام، برص، دغابنودرد، دسترگو غبار.

### د عرق النساء د در د د پاره علاج:

علاج: صاحب سفر السعادة حضرت انس بن مالک رضی الله عنه څخه روایت کړي دي چي در رسول الله ﷺ حدیث شریف دي چي د عرق النساء علاج په عربي سیرلي سره کوی طریقه ئي داده چي سیرلی پوخ کوی اوڅو حصي ئي کوی بیایي یوه یوه حصه هره ورځ خورئ فایده: د سیرلي دکوناتو د غوښي څخه ښور و اجوره کړي درې ورځي په نهاره ئي وچینیئ انشاء الله در د به ورک سي. عرق النساء دیورگ نوم دي چي دکوناتو څخه تر بجلکي پوري تللي دي. او در د ئي دومره شدید دي چي در د څخه ماسوي هرڅه دانسان څخه هیږه وي ځکه ورته عرق النساء وائي.

### د قبض علاج او د سناء خلاص:

علاج: په سفر السعادة کي لیکلي دي چي رسول الله ﷺ د اسماء بنت عمیس رضی الله عنها څخه پوښتنه وکړه چي کله به تاسوته دامل ضرورت وونو تاسوبه څه شي استعمالوی؟ هغی

په جواب کي ورته وويل چي شبرم استعمالوم رسول الله ﷺ ورته وويل چي هغه خوديرگرم دي. اسماء رضی الله عنها ورته وويل چي سناء هم استعمالوم رسول الله ﷺ ورته وويل که دمرگ څه دواوائي نو هغه به سناء وای. فايده: په سرزمين حجازکي يوواښه دي دهغه نوم شبرم دي داواښه په څلورمه درجه گرم دي ددغه دوا استعمال داملونودپاره مفيدنه دي په حديث شريف کي راغلي دي چي اي خلکوسناء خوبسکړئ ځکه دادهري ناجوري دواوه ماسوا دمرگ څخه.

### په کلونجي د عاموناجوريو علاج:

علاج: په صحيح مسلم کي دحضرت ابوهريره رضی الله عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي کلونجي غير دمرگ څخه دهر مرض دواوه. فايده: دجالينوس بيان دي چي کلونجي نفخ اوبادونه ليري کوي. اوددي په خورلوسره دنس چنجان مړه کيږي. چي وه اشيري اوخته سي بيايخ سي اووچينيل سي دزکام دپاره مفيددي. که دخشکي په وجه په بدن باندي داني گرمکييالرميکي راوخيجي دکلونجي خوراک ډيره فايده ورته کوي. که په بدن باندي کوچني کوچني داني راوخيجي دکلونجي په مېنولوسره د بدن پوست صفاکيږي. که حيض بندوي جاري کوي ئي. په سر باندي مېنولوسره دسر در دختميزي. په دانوسرکوي چرک ئي راباسي. په سرکه کي خوراک ئي بلغمي نو(ورم) راباسي. دروغن ايرسياسره چي يوځاي کړه سي بيا بونئ کړل سي دسر در دليري کوي. ددي خوراک دساه سوځولودپاره ډيره فايده کوي. اودابوپه غره غره کولوسره دغابنودر دليري کيږي. په خوراک سره ئي بولي جاري کيږي. په کورکي لکه دسپلني

خوندي دودول ئي غوماشي اومنگوروركوي دكلونجي نورهم  
ډير خصوصيات دي چي درشمارتيردي.كلونجي داردوزبان  
لفظ دي چي په پښتوكي ورته توره ونجه وائي.

### په کوچنيو ناجوريو دلويو ناجوريو كفاره:

علاج:صاحب جامع كبيريو حديث رانقل كړی دي چي رسول  
الله ﷺ فرمائي دي چي دڅلوروشيانودپاره څلور شيان بي نفعي  
مه گنئ. ۱ دسترگوخوريدل سړی درنديلوڅخه محفوظ  
كوي، ۲ دزكام كيدلسړی دبرص دناجوري څخه  
محفوظوي، ۳ تېوخی سړی دفلج ناجوري څخه  
خلاصوي، ۴ دخرابودانولكه شين جكۍ راپورته كيدل سړی  
دبرص دناجوري څخه ساتي.فايده:مطلب ددې حديث شريف  
دادې چي كله كله داخلور ناجوري راځي نوتاسوي بدمه گنئ  
ځكه چي ددوي په راتلوسره انسان  
دنورو غټو غټو ناجوريوڅخه په امن كيږي.

### جسماني ناروغي اوداوري خاصيتونه:

علاج:امام جلالدين سيوطي رح په جمع الجواهر كي دديلمي  
رح څخه يوروايت رانقل كړي دي ديلمې رح دحضرت علي  
رضي الله عنه څخه روايت كوي چي رسول الله ﷺ فرمائي  
دي چي اي خلگووړه خورئ اوپه دې سره علاج كوي ځكه  
چي په دې كي دناجوريوڅخه شفاء سته.فايده:ددې حديث په  
صحت كي اكر كه دعلماووډيري خبري دي مگرداطباووپه  
نظرپه اوږه كي ډيري فايدي دي دانوليري كوي.بندحيض  
خلاصوي.بندی بولي خلاصوي. غټي بولي هم خلاصوي كه  
بندي وي دمعدې رطوبت وچوي.وينه نرمه وي.دمعدې څخه

بادباسي. آواز صفاکوي. دقولنج ددر داو بادو دپاره مفیده ده. هیره ليري کوي. دتوري دپاره هم مفیده ده. دملادبادي درد دپاره هم ډیره مفیده ده. مني زیاتوي. دگرم مزاجه خلگومني وچوي. دمعدې اودبنود درد دپاره ډیره مفیده ده. دنس چنچیان وژني. په مخ کې سرخي پیدا کوي. دفلج ناروغانو دپاره فایده رسوي. دپوښتورگي ډبري غوڅوي. په اوبوکي چي وه ایشول سی بیا غرغره سید غاښود تینگی دودپاره ډیره مجربه ده. ډیر خوراک ئي وینه سوځوي. دمواسیر دپاره ډیره مضره ده. دحاملې ښځې دپاره تاواني ده. په بدن کې صفراء پیدا کوي. دسترگونظر کمزوري کوي. چي په شیدوکی و اچول سی اوپه دانوپوریکرل سي ډیره فایده کوي. دخوري سره چي یوځای کړه سي اودپیښ په بدن ومښل سي پیښ جوړیږي. که په خټه کې نوچرک وي راباسي ئي. ددې ټولو فایدوسره بیا هم بیله ضرورته استعمال ئي ښه نه دي. ځکه فرشتي ددې دېوي څخه کرکه کوي. اودرسول الله ﷺ حدیث دي چي ددې اومهخور لووالادي ومسجدته نه داخلیري.

## دلمرتودي اوبه فیس ناجوري پیدا کوي:

علاج: امام جلال الدین سیوطي رح لیکلی دي چي حضرت عمر رضي الله عنه فرمائي دي چي دلمر په تودواوبوسره غسل مه کوئ ځکه دادپیښ ناجوري پیدا کوي.

## دخارش علاج:

علاج: په بخاری اومسلم کې د حضرت انس رضي الله عنه څخه روایت دي چي انس رضي الله عنه فرمائي چي د

حضرت عبدالرحمن رضي الله عنه اود حضرت زبير ابن العوام رضي الله عنه په بدنو خارش پيدا سوي وودوي مباركان ډير پرېشانه وه نو په دې وخت كې دوي ته رسول الله ﷺ دورېنمني جامي اغستلو اجازه وركړه. دمسلم په بعضي رواياتو كې راغلي دي چي دجنگ په وخت كې ورسول الله ﷺ ته دشپږوڅخه شكايه ورسول الله ﷺ دغه كسانو ته دمجبوري له مخي دورېنمني جامي اغستلو اجازه وركړه فايده: ددې حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي يوخودنارينه دپاره دورېنمني جامي اغوستل حرام دي ځكه كه حرام نه وائي نور رسول الله ﷺ اجازه ته كوم ضرورت نه وو. دويمه خبره داده چي دمجبوري په حالت كې حرام شي هم حلال وي. ددې څخه ماسودا خبره هم معلومه سوه چي ورېنم دخارش دپاره مفيد دي. ځكه چي ورېنم زړه ته طاقت او خوشحالي وركوي. اوسوداوي ناجوري ليري كوي. صاحب موجز ليكلي دي چي د ورېنموتاثير گرم دي اوداوخشاله ونكي دي. ورېنمينه جامه دشپږودفاع كوي.

### ذات الجنب ياپښتي در د علاج:

علاج: ترمذي د حضرت بن ارقم رضي الله عنه څخه روايت كوي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي اي خلکو ذات الجنب علاج په قسط بحري اوزيت (خونان) سره كوي. فايده: دابايدوپيرندل سي چي د قسط بحري دوه قسمه دي

یو قسم خوردي چي سپين وي اودويم تريخ دي چي په رنگ  
توردي. دذات الجنب هم دوه قسمه دي يودادی چي په سينه  
کي نو (چرک) وي اودانوپه اولنيو عصلا توکي وي بباددنه  
دخواخه رابنکاره سي. اوداقسم ډير خطر ناک دي. علامه  
ئي داده چي تبه، توخی اوفس تنگي پيداسي اودردناخس  
ډيروي تنده ډيره وي. دذات الجنب دويم قسم دادي چي  
دبادبنديدلو دکبله په بغل کي دردپيداسي قسط بحري ددي قسم  
دردعلاج دی. داستعمال طريقه ئي داده چي قسط بحري به  
ميده کړئ اودزيتون دغوروسره به ئي گدکړئ ددرځای به  
په غورکړي نوانشاء الله فايده به وکړي. اوکه لمړی قسم وي  
نودهغه علامې مومخکي بيان کړي. دبلغم څخه پيدا کيږي. دغه  
علاج: دبلغمى مزاج خلگو دپاره هم مفيد دي. خوکه  
نوصفراوي يادموي وي بيانودا علاج مفيدنه دي. په يوه حديث  
شريف کي راغلي دي چي يووخت رسول  
الله ﷺ ناروغسونو کوروالايي پوه سوه چي دذات الجنب يادبلغ  
دردناجوري ورپيښه سوي ده نوئي دقسط بحري اودزيتون  
تيل دده مبارک په خله کي ورواچول نورسول الله ﷺ په اشاره  
سره دوی منع کړل خو هيڅوک هم دده په اشاره پوه نه  
سوهکله چي رسول الله ﷺ جوړسونوپوښتنه ئي وکړه چي  
داڅه شي وه چي ماته مورا کړه؟ خلگو ورته وويل چي دا قسط  
اوزيتون وه رسول الله ﷺ وفرمائل چي چي تاسوزمامرض  
ذات الجنب گنلي ووحالانکه الله ﷻ به ماددي ناجوري څخه  
محفوظ وساتي اوئي فرمائل چي چازماپه خله کي  
دادواراچولي ده دهغه په خله کي دي هم واچول  
سي. فايده: ددي حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي څوک  
دطب اوحکمت څخه پوره خبرداره نه وي نوهغه بايدهيڅ کله

دچا علاج ونه کړي. ولي که چاته دده په دواتوان ورسیدی نو پرده ضمانت لازمیري. صاحب سفر السعادة د عمر ابن العاص رضی الله عنه څخه روایت کړي دي چي څوک په ناپوهي سره دچا علاج کوي نو هغه ضامن گرځي.

## دسر ددر د علاج اودنکریز و خاصیتونه:

علاج په ابن ماجه کي راغلي دي چي در رسول الله ﷺ په سرباندي چي به کله درسو نو پر سر به ئي نکريزي کينودلې او فرمائل به ئي چي بيشکه نکريزي دالله ﷻ په حکم سره فايده کوي. فايده: دا علاج دهغه درددي چي دموي نه وي نوددي علاج دويني کنبلو په ذريعه کيږي. ابوداودکي راغلي دي چي چاچي به ورسول الله ﷺ ته ددر د شکايت وکئ نور رسول الله ﷺ به ورته وينه کنبل (بنکر لگول) وفرمائل. او چاچي به دنس ددر د شکايت درلودي نو پر هغه به ئي دنکريز وايښودلو امر وکړي. په جامع ترمذي کي دام رافع رضی الله عنه څخه روایت دي چي پر رسول الله ﷺ به کله دانې راوختي يابه لمبې ووهي نوبه ئي نکريزي ددانو پرځاي کينودلي فايده: اطباء وو ليکلي دي چي نکريزي د بدن غوتي خلاصوي نو ځکه رسول الله ﷺ دنس ددر په وخت کي نکريزي استعمال کړي دي. دنکريز وخصوصيت دادي چي رطوبت فاسده د بدن څخه وچوي. اطباء وو ليکلي چي که پوره يوه مياشت سړی نکريزي داوومثقالو بورې سره وڅوري دجدام ناجوري دپاره مفيددي. که دچانوکان غورځيدلي وي نو دنکريز و او به دي دی چنر کړي او درلسو ورځو پوري دي وڅيښي نو انشاء الله اصلي نوکان به ئي راسي. دپوښتورگي اومثاني ددېرودپاره ددي استعمال مفيددي. که په خوله کي

زخم وی نودنکریزو اوبه غر غره کول ورته ډیره گټه رسوي. دځنگنودرد دپاره هم ډیري مفیدی دي.

## دکوچنیانو دحلق ناجوري:

علاج: غداره دشیډور وودونکو ماشومانو مخصوصه ناجوري ده. او اکثره په حلق کی وي اوددی ناجوري اصل سبب دادي چي دائي (قابله) ئي دماشوم په حلق کي کیردي اوپه زور سره ئي ورپري وهي. نوددی کبله دغه ناجوري په ماشومانو کي پیدا کیري. علامه ئي داده چي دماشوم دخلي اوپزي څخه هر وخت وینه راځي ځکه خورسول الله ﷻ بڼخي منع کړي دي چي دماشومانو حلق دې په ډیر زور سره نه ورپري وهي اوددی ناجوري علاج ئي داسی بیان کړي دي. امام احمد بن حنبل په خپل کتاب مستدرک کي لیکلي دي چي یو وخت رسول الله ﷻ دعائشي رضی الله عنها وکورته ورغي په دغه وخت کي عائشي رضی الله عنها ته نژدې یو کوچني هلک ناست وو چي دسر موڅخه ئي وینه روانه وه رسول الله ﷻ وفرمائل چي دا ولي؟ څه په وسوه؟ چي دده دسر موڅخه داسي وینه ځي؟ خلگو ورته وویل چي دي دتالو یا حلق پورته کیدوده وچي او پر سر ئي هم درددی رسول الله ﷻ وفرمائل افسوس دي پر بڼځو باندې چي په دارنگه خپل اولاد هلاک کوي. یعنی دماشومانو تالو یا حلق داسی مه پورته کوئ چي ماشوم داسي حالت ته ورسیږي. بیائي لار بڼونه وکړه چي کوم ماشوم ته دانا جوري پېښه سي نو باید یو لږ اندازه قسط بحري په اوبو کیحل کړئ اود ماشوم په پوزه کي ئي ورواچوئ. حضرت عائشي رضی الله عنها دا علاج دماشوم ومورته وروښوي اوپه دې علاج سره هغه ماشوم جوړ سو.

## دقسط بحري فايدي:

اطباووليکلي دي چي قسط بحري بندي بولي اوبندحيض  
 خلاصوي. بدن خرابي مادي جذب کوي. دځيگرسيڼي غوتي  
 خلاصوي. درحم ددرددياره مفيددي. معدې ته طاقت  
 ورکوي. غليظ رطوبات دفع کوي. ددماغو اوبندونودر دليري  
 کوي. بادونه باسي. دسکنجبين سره چي يوځاي سي اووځتل  
 سي دتبي څلورمه حصه وره کيري. دعلوسره چي يوځاي  
 سي اوخوړل سي دساه لنډی اوزاړه توخي دپاره مفيدديفلج  
 دپاره مفيددي. دودول ئي زکام ته فايده رسوي. که څوک  
 دااعتراض وکړي چي قسط بحري خوگرم دي نوددي  
 ناجوري دپاره څنگه مفيددي؟ جواب دادي چي خرابه وينه  
 اوبلغم سره يوځاي سي نوپيداکيري بلکه بلغم زيات اووينه  
 کمه وي. اودقسط بحري گرمي بلغمي رطوبت جذب  
 کوي. ځکه نو دادواپه غدره کي مفیده ده. اوبعضي  
 علماووداجواب ورکړي دي چي دادرسل الله ﷻ يوه معجزه ده  
 اوپه دې کي خبري کول بی عقلي اوناپوهي ده اودعقيدي  
 مخالف کار دي.

## دزړه درد اودهغه علاج:

علاج: ابوداودحضرت سعدرضی الله عنهڅخه روايت کړي  
 دي چي زه يووخت ناروغه سوم نورسل الله ﷻ دپوښتني  
 دپاره راغي اوخپل لاس مبارک ئي زماپه سينه باندي  
 کيښودي دلأس يخوالياوخوشحالي ماپه خپل زړه کي

محسوسه کړه بياني راته وويل چي ته بايد د حارث بن کلاه وځواته ولاړسي ځکه هغه دخلگو علاج کوي. او حارث ته پکار ده چي د مدیني اووه خرماوي راواخلي او د هېوکي سره ئي يوځاي وټکوي بياني په تاوڅوري. فايده: علماو وليکلي دي چي الله ﷻ د مدیني په خرماکي دا خاصيت ايښي دي چي د زړه د درد د پاره فايده رسوي. او داووه عددپه باره کي چي کوم خاصيت دي هغه الله ﷻ او د الله ﷻ رسول ﷺ ته معلوم دي. حکماء او نور خلگ ځني عاجز دي ځکه چي ددې تعلق يوازي دوحې سره دي. په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي څوک هر سهار اووه اووه دانې خرما د مدیني څوري. په هغه به هيڅکله جادواوز هراثر ونه کړي.

### علاج او پر هيز کول سنت دي:

علاج: ددې خبري معلومات هم ضروري دي چي کله علاج کول سنت دي نو پر هيز کول هم سنت دی هيڅوک دانه مني چي پر هيز کول غير شرعي عمل دي. ځکه پر هيز کول په قرآن ثابت دي. څرنگه چي الله ﷻ فرمائي دي چي (که تاسو ناجوري ياست نو تيمم وئ) او رسول الله ﷺ حضرت صهيب رضي الله تعاليعنه ته فرمايلي وه چي تاسو خرما مه څورئ ځکه ستاسو سترگي څور يږي، او د حضرت علي رضي الله تعالی عنه واقع هم تيره سوي ده چي رسول الله ﷻ دکمزورۍ په وخت کي دخرما څورولو څخه منع کړی وه. نو ددې ټولود لاء لوڅه معلومه سوه چي په ناجوري کي پر هيز کول هم ضروري دي ديندار او حاذق (پوه) طبيب چي کوم پر هيز تجويز کي دهغه مطابق پر هيز کول لازمي دي. که يو حکيم بي له ضرورته يو چاته يو حرام شی وښايي

بايدچيهيڻ ڪله ونه منزل سي ڇڪه مخڪي معلومه سوه چي  
طبيب به مسلمان اوڇاڻق وي دصحت اوڇورتيادپاره په  
الله ٻاندي اعتمادپڪاردي.

### دخد اوبي حسي علاج:

علاج: خدداسي ناجوري ده چي دانسان په بدن کي ديوشي  
دڪبله حس اوحرکت ديځ اوگرمي احساس پاته نه سي په سفر  
السعادت کي ليکلي دي چي يوسري په ناپوهي سره يوي  
درختي ته نژدي سويوڅو بلگونه بي ځندي وشکول هغه يي  
وځورل نوهغه خلک ټول بي حساوبي حرکته سوه رسول  
الله ٻاندي دي چي په يوه ژي (گدي) کي دي اوبه يخي سي  
دسحر داڏاناوتکبير تحریمه په منځ کي دي په دغه خلکوباندي  
وپاشل سي.

### دثبره اوددانو علاج:

علاج: ثبره په هندي ژبه کي دانوته وايي. ددي علاج په  
سفر السعاده کي ليکلي دي. چي امهات المؤمنين ته يوي بنځي  
وويل چي زماپرگوته دانه راپورته سول. رسول  
الله ٻاندي زماکورته تشريف راوري. پوښتنه يي وکړه چي ستاڅه  
لر. توره زريره سته؟ ماورته وويل هوسته. نووي فرمائڻ چي  
په دانوباندي ئي پوري که. فايده: دقطب الزرير هميدي ته  
زريره وائي. قطب الزريره چي زره سي نوددي ددنه څخه  
يوغونډشي راوځي هغه ته زريره وائي جالينوس ليکلي دي  
چي قطب الزريره په اوبوکي ميده کړل سي اوپه دانوپوري  
سي داني جوړيري.

## دمريض په پوښتنه کولوباندي دمریض تسلي کیدل:

علاج: دمریض سره ښه خبري کول پکار دي ځکه چې په دې سره دمریض زړه خوشحاله کیږي. اودمریض تکلیف په کميږي. په سفر السعادةکي دحضرت ابوسعیدرضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چې کله تاسودیومریض پوښتنې ته ورځئ. نو دهغه د عمر داوړدوالي خبري کوئ. په دې سره دمریض تقدیرنه بدلیږي لیکن دمریض زړه په خوشحاله کیږي. فایده: مطلب دادي چې هر کله تاسودیومریض پوښتنې ته ځئ. نو دمریض دزړه دخوشحالی خبري کوئ. مثلاً هغه ته داسي خبري کوي چې ته فکر مه کوه انشاء الله ډیر ژر به صحت پیدا کړي. اوستاخواوس لا ډیر عمر پاته دي. په دغه خبرو تقدیرنه بدلیږي خوددې فایده داده چې دمریض زړه په خوشحاله کیږي.

## دغصې اوقهر ليري کولو علاج:

علاج: قهر او غصه هم دنارو غیوڅخه یوه ناروغي ده چې خپل ځان ته هم تاوان رسوي اونور وته هم قهر او غصه پیدا کوي. دصفراء ډیر والي له کبله په جوش سره کله کله حرارت دباندي راسي تبه، دسر درد، بی هوښي اوددې څخه ماسوانوري ناجوري هم ورڅخه پیدا کیږي. کله کله بیاداسي حالت ته ورسیږي چې دژبي څخه کفري کلمات راوړي. دداسي خلکو عزت په معاشره کي ډیر کم وي. دښمنان یې ډیر وي. دوستان یې کم وي. دغه سي کسانو ته که طاقت کم حاصل سي نو خلکو ته نقصان رسوي. او که طاقت یې نه وي

نوبيادغصې څخه خپل ځان هلاکوي. یو مشهور متل دی چېکه  
 غصه درویش برجان درویش (ترجمه) ددرویش غصه پر خپل  
 ځان وي بنکنځل کوي خپلي جامي څيري اوکله کله  
 دخودکښي کوشش هم کوي. ځکه رسول الله ﷺ فرمائي اي  
 خلکو غصه هم سکروته ده چي دخلگوپه زړونوکي بليري  
 اودغصې داورکيدودليل دادي چي دغصې په وخت کي  
 سترگي سرې وي، دڅټ رگونه هم وپرسيري، رنګ بدل  
 سي، اوټول بدن په جوش راسي. فايده: ددې حديث شريف څخه  
 معلومه سوه غصه يواوردي چي په زړه کي پيداکيري ليکن  
 په بدن باندې ښکاره سي. ځکه خوانسان لره پکارده چي  
 دغصې په وخت کي ترخپله وسه ددې اورڅخه ځان  
 وساتي. که وچاته غصه راسينوپه دي حديث شريف کي درې  
 علاجونه ذکردي بايدکارورڅخه واخستل سي. اول يخي اوبه  
 دي وچښي دوهم که دغصې په وخت کي سري ولاړوي  
 بايدکښيني اوکه ناست وي بايدپريوزي دريم الله ﷻ دي  
 وريبادکري اودادعادي ووائي (اعوذبالله من الشيطان  
 الرجيم) په دې درو طريقو سره غصه (قهر) کميري.

### د ناروغي او غم علاج:

علاج: په سفر السعادة کي ليکلي دي چي کله به در رسول الله ﷺ په  
 کور کي يابه دعائشي رضی الله تعالی عنها يوقريب وفات  
 سونو رسول الله ﷺ به تنبيه پخوله اودښورواسره به يي  
 خوړل. اوفرمايل به يي چي اي خلکو داخوري ځکه چي په  
 دې کي شفا ده. دعائشي رضی الله تعالی عنها څخه روايت دي  
 چي مادر رسول الله ﷺ څخه اوريدلي دي چي تنبيه د زړه  
 د ناروغيو لپاره راحت ورکونکي دي. بغض او غم ختم کوي. په

بعض با حاديثو کي راغلی دي چي کله به رسول الله ﷺ ته چاڊيوسري دناجوري وويل چي فلانکي دناجوري دکبله خوراک نه کوي رسول الله ﷺ به ورته دتنبيه دپخولو او په بيمار دخورلوو فرمائښت او فرمائښت به ئي چي قسم په هغه ذات پاک سره چي زما روح دده په قبضه کي ده چي تنبيه نس داسي پاکوي لکه سري چي مخ دخيروڅخه پريمنځي. فايده: تنبيه يونرم شی دي چي چينيل کيږي. دجوړولو طريقه يي داده چي داوړ بشو وړه بيله چنړلو څخه په شيدو کيږي ځکه کړل سي او غسل ورسره يوځاي سي. ديځي دلوورسته وځينل سي. بعضی وخت دثريدسره يوځاي هم ځينل کيږي.

### د زهر و تاونونه او علاج يي:

علاج: په سفر السعاده کي ليکلي دي چي يوي يهودي بنځي په غوبنه کي زهر واچول بياني در رسول الله ﷺ په خدمت کي وړاندي کړل رسول الله ﷺ يوڅه ځنډي وخوړل. الله ﷻ غوبني ته دخبرو کولو توان ورکي او وي ويل چي تاسو مامه خورئ ځکه زه په زهر وککړه سوي يم. رسول الله ﷺ ددې بنځي څخه وپوښتل چي تاولي ددې غوبني سره زهر گډکړي دي؟ هغې وويل ماستادان مينيت لپاره ورسره گډکړه تاسو رسول ﷺ ياست. ځکه خوپه تاسو زهر هيڅ اثر نه کوي. دمعجزې په طور خو هغه وخت هيڅ اثر په رسول الله ﷻ ونه سو. ليکن دننه په بدن کي هغه زهر واثرو کي. ددې واقعي څخه ورسته درې کاله رسول الله ﷻ ژوندی وو. په دغه درې کاله کي به کله کله د زهر واثرو معلوميدی. نور رسول الله ﷻ به په ځنډ او اوږد باندې وينه وکښل. دوفات په وخت کي

رسول الله ﷺ و فرمائيل چي هغه زهر چي ماخلورليو ههغه  
 زهروزمادسيني رگونه پريکړي وه. په دغه وخت رسول  
 الله ﷺ وفات وکړي. علماووليکلیدي چي رسول الله ﷺ ته  
 دشهادت مرگ ورکړل سوي دي. الله ﷻ ددي لوي نعمت څخه  
 بي برخي کړي نه دي. په رسول الله ﷺ چي کله  
 يهودانو جادوکړي وه دغه وخت هم رسول الله ﷺ پر سر باندي  
 وينه کښلې ده. جادواو نور وبيان کول دلته بي ځايه دي ځکه  
 ددي بيان په طب الهي کي کيږي.

### دقي په ذريعه دنارو غيو علاج:

علاج: په مشکوٰۃ شريف کي راغلي دي چي رسول  
 الله ﷺ يو وخت قی ووهي ورسته ئي بيا اودس وکي. فايده: ددي  
 حديث شريف څخه دامعلومه سوه چي ده مبارک به کله ناکله  
 دقي په ذريعه هم علاج کوي. ځکه خواطباووليکلیدي چي په  
 قي وهلو سره دماغ صفا کيږي. اومعده هم صفا کيږي. دمعدې  
 رطوبت وچيږي. دبقرات قول دي چي په مياشت کي دوه واره  
 قي وهل پکار دي ځکه که په اول وار څه شی پاته سی نو په  
 دويم وار به راووزي او پاکي به وسي. ليکن په ډير قی  
 وهلو سره سينه او په معده کي درد پيدا کيږي. ددي څخه  
 دامعلومه سوه چی دامام ابوحنيفه په نيز په ډکه خوله سره په  
 قي وهلو اودس ماتيري ځکه قي هغه دي چي په ډکه خوله  
 سره وي اودننه چي څه وي هغه په جوش سره دباندې  
 راووزي.

## دمولي دبوي علاج:

علاج: صاحب سفر السعادة دتنزيه الشريعة خُخه ابن مسعود رضی الله تعالی عنه روایت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي څوک مولي خوري او غواري چي دخولي خُخه ئي بوی ولاړنه سي نو هغه لره پکارده چي مایادکي په بل روایت کي دي چي په مادر دشریف ووائي. فایده: بعضي علما ووليکلي دي چي مور ددې تجربه کړي ده په دې عمل سره دمولي بوي ځي. دمولي فایدي دادي اواز صفاکوي، لوړه پیداکوي، دخوراک ورسته په خټلوسره بادونه دنس ختموي، دمخ رنگ صفاکوي، همیشه خوراک ئي ختلي وریشان بیرته راپورته کوي اودمولي عرق دبدن غوتي خلاصوي.

## هریره اوددې فایدي:

علاج: په جامع کبیرکي راغلي دي چي هریره دهر ي ناجوری خُخه شفا ده. دهریري فایدي دادي معده پاکوي، بادونه خارج کوي، بندي بولي خلاصوي، شیدي زیاتوي، حیض خلاصوي، دپښتورگي خُخه ډبري ليري کوي، بلغم خارج کوي، دمواسيرو دپاره هم ډیر مفید شی دي.

## دکرفس اونرگس فایدي

په جامع کبیرکي دي چي کرفس خورئ ځکه چي داعقل زیاتوي. اونرگس هره ورځ که په ورځ کي نه وي په هفته کي که په هفته کي نه وي په میاشت کي که په میاشت کي نه په کال کي یو وار دالله ﷻ په نامه ویلوسره بوي کوي. دکرفس

فايدي دادي قبض راولي، لوره زياتوي، زړه ته طاقت ورکوي، د بلغم فسادورکوي، مني زياتوي، دنس چنچيان وژني، د زړه ايشيدل ورکوي ليکن په نس کي سوزش پيدا کوي، ذهن تيزوي. د نرگس فايدې دادي ماده جرب کوي، رياح حل کوي، رحم پاکوي، حمل غورځوي، دمعدې څخه فاسد مواد ليري کوي، زخمونه ډکوي، چي د عسلو سره يوځاي کړه سي د بندود در دپاره مفيددي، په يخ کي بويول ئي دنزلي دپاره مفيد دي.

### دلوبيا خاصيتونه اوفايدي:

علاج: مردانه قوت ته حرکت ورکوي، مني پيدا کوي، شيدي پيدا کوي، مني زياتوي، بندي بولي خلاصوي، حيض جاري کوي، د بدن ترقي کوي، دملا د در داو پښتورگيدپاره ډيره فايده رسوي، ژرنه هضم کيري، ددې په خوراک سره غليظي مادي پيدا کيري، ددې مصلح خردل اوزنجبيل دي، د حمل په وخت کي اکثر دلوبيا خوراک سره اولاد هوبښيار پيدا کيري.

### دهندوانې خاصيتونه اوفايدي:

علاج: دنور و فايده څخه علاوه دهندوانې يوه فايده داده چي د حمل په وخت کي ئي ښځه زياته خوري نوماشوم ښائسته اوتندرست پيدا کيري.

### نسيان هيره پيدا کيدونکي شيان:

په لاندي نهو ذکر سوو شيانو سره هيره پيدا کيري. ۱. پښير د غوړو سره خوړل. ۲. دهغه شی خوړل چي

سپي بوي ورباندي کنبلي وي. ۳ تريوسيپ خوړل. ۴ گشنيز زيات خوړل. ۵ پرخت باندې زياته وينه کنبل. ۶ ددوښخوپه منځ کي تلل. ۷ دخپل مطلوب و طرفته کتل. ۸ دشپري ژوندي پريښودل. ۹ دقران کريم تلاوت په هديره کي ډير کول فايده: دنس دچنجيانو دوژلودپاره په نهره خرما خوړل ډير مفيد دي. که څوک غواړي چي قرآن کريم حفظ کړي نو بايد د علو استعمال زيات کړي داروايات دجامع کبير څخه رااخستل سوي دي.

### دمشک خاصيتونه اوفايدي:

علاج: صاحب جامع الصغير دسلمه بن اوکع رضی الله تعالی عنه څخه روايت کړي دی چي رسول الله ﷺ به په خپل ږيره اوسر مبارک باندې مشک لگول. فايده: علما ووليکلي دي چي مشک رنگ سور کوي. دزړه، دماغو، او مردانه قوت دپاره ډير فايده مند دي. غم او خفگان ليري کوي، د بدن غوتي خلاصوي، بويول ئي نزله دره وي، لگول ئي قوت باه په حرکت راولي، که دچاپه سترگوکي غبار ياسپين والي وي دمشکولگول ډيره فايده ورته رسوي. ددوي لگول دبی هوښي دپاره هم ډير مفيد دي. دفلج له کبله چي بدن بي حرکته سي نو دمشکولگول ډيره فايده ورته کوي. دهيري دپاره هم ډير مفيد شي دي.

### درنجو صحيح طريقه:

علاج: په ابوداودکي روايت دي چي رسول الله ﷺ د شپي دبیدیدوپه وخت کي دخوشبوئي اوسترگو تورولو حکم کړيدي. فايده: بعضي علما ووليکلي دي چي دخوشبوداره څخه

دلته مشک چي رانجه ورسره گيسوي وي مراددي. په ابن  
ماجه کي روايت دي چي دائمدرانجه  
درتولورانجوبهتردي. ځکه دغه رانجه سترگي روښانه  
کوي. بانړوگان گنوي. دترميزي په شرحه کي راغلي دي چي  
اصفهانې رانجوته اثمډواني. په بعضباحاديثوکي راغلي دي  
چي څوک سترگي توروې نوطاق ځله دی توروې. فايده  
علماوودسترگو توروولودري طريقي بيان کړي دي. اول داچه  
دوه سلايان په راسته سترگه کي دوه سلايان په چپه سترگه  
کي بيايوسلائي په راسته سترگه کيدوهم داچي دوه سلايان په  
راسته سترگه کي دوه سلايان په چپه سترگه کي. دريم داچي  
دري سلايان په راسته سترگه کي دري سلايان په چپه  
سترگه کي.

### دخوشبوني فايدي او خاصيتونه:

علاج: په سفرالسعاده کي ليکلي دي چي درسول الله ﷺ په خدمت  
کي چي به چاخوشبوني وړاندي کوله نورسول الله ﷺ به نه  
ردوله دده مبارک ارشاددي چي که تاسوته څوک خوشبوني  
درکوي مه ئي ردوئ. فايده: دعلماووبياندي چي دخوشبوني په  
استعمالولو او دکورونوپه صفاساتلوسره صحت جوړيري  
او خوشحالي حاصليري. زړه ته هم ډيرطاقت ورکوي. په  
مسندبزازکي روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي الله  
تعالی ﷻ صفائي کونکی دوست لري بخښونکي اوبخشش  
کونکي دوست گڼي. ځکه نوهرچاته پکارده چي خپل  
کور او داوسيدلوځايونه پاک وساتي ديهودانوپه شان نه سي  
چي په خپلو زړنو کي گندگي جمع ساتي او خوشبولگوي ځکه  
چي په دې سره فرشتي کورونوته نه راځي.

## دشپي او په جاموسره دجارو کولو نقصانونه:

په صلوة مسعودي کبني ليکلي دي چي دشپي په جارووهلو سره محتاجي راځي. په بستان کي ابوليث ليکلي دي چي که څوک په جاموسره جارو کوي نو هغه به محتاجه وي.

## دمختلفو خوراکو نو جمع کولو نقصان:

علاج: په سفر السعادة کي ليکلي دي چي رسول الله ﷺ دوي مختلفي قسم غذاگاني هم يودبل سره نه استعمالولي اودوه قبض کونکي اودوه عمل کونکي غذاگاني هم نه سره جمع کولي يعني يوخاي به ئي نه خوړلي هيڅ کله داسي نه دي شوي چي ده دي ماهي خوړلي وي اوبغير د هضم کيدو څخه دي ورسته شيدي چينلي وي. شيدي او هگي شيدي او غوبنه ئي هم يودبل سره نه دي خوړلي. مطلب داچي ترڅو پوري يوشی نه وي هضم سوي دويم شي ئي نه دي خوړلي ځکه چي دمختلفو شيانو په هضم کولو سره پرمعه باندې ډير بوج راځي اوددې وجي څخه قبض هم پيدا کيږي.

## دخوراک څخه ورسته سپورت کول:

علاج: دجسماني صحت دپاره حرکت کول ډير مفيد دي ځکه چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي دذکر اولمونځ په ذريعه سره هضم کوي دخوراک کولو ورسته دستي بيديدل نه دي پکار ځکه په دغه عمل سره زړه سختيږي فايده: په مواهب کي ليکلي دي چي کوم سړي چي خپل بدن تندرست اوجور غواړي بايد هره شپه دخوراک ورسته ۵۰ قدمه مزل وکړي. شيخ الرئيس اونور واطبا وليکلي دي چي په ډير

حرکت سره حرارت غریزي تحلیل  
 کیریاو کمزورتیا پیدا کیری. د بعضی اطباوودانظردي چي په  
 ډیر حرکت سره حواس گډوډ کیری لیکن ددی مطلب دانه دي  
 چي بلکل دي حرکت نه کوي ددی څخه کاهلي اوسستي  
 پیدا کیری. په دې وجه د جسماني صحت اوتندرستیادپاره  
 سفرکول هم یو علاج دي ځکه په کتاب الطب کي ابونعیم  
 دابوهریره رضی الله عنه څخه روایت کړي دي چي رسول  
 الله ﷺ فرمائي دي چي سفرکوئ ځکه چي ددی په ذریعه  
 صحت اوتندرستی پیدا کیری.

### دمسواک فایدي او خاصیتونه:

علاج: معجم اوسط کبني طبراني دابن عباس رضی الله عنه  
 څخه مرفوعاً روایت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي  
 چي دمسواکپه وهلو سره خله صفاو پاکیری، الله ﷻ خوشحاله  
 کیری، مخ اونظر روښانه کیری، په جامع کبیر کي راغلي دي  
 چي په مسواک سره فصاحت زیاتیری، الله ﷻ خوشحاله  
 کیری، غاښونه صفا کیری، په خله کي خوشبوئي وي، وري  
 ټینگیږي، حلق دبلغم څخه پاکیری، رطوبت لیري کوي، ځکندن  
 اسانه کوي، دمرگ په وخت کي کلمه نصیب کیری، خوراک  
 هضم کوي، په رزق کي ډیروالي راځي، دغاښو گندگي  
 اودر دلیری کوي، معده قوي کوي، عقل تیزوي، زړه پاکوي، مخ  
 نوراني کوي، زړه اودماغ ته طاقت  
 ورکوي، اودعامونارو غیو دپاره ډیر مفید دي.

## دخوب فايدي اونقصانانونه:

علاج: په جسماني علاجونو کي يوموثر علاج خوب دي ځکه  
 الله □ په خپل کلام کي فرمائي دي (الله □ داسي دي چي  
 ستاسي دپاره ئي شپه مقرره کړيده ځکه تاسو ارام کوي  
 اودتولي ورځي سترياووزي اوتندرستي قائمه سي اودالله □ په  
 عبادت کي مشغول ياست) فايده: جالينوس ليکلي دي چي کوم  
 سړي خوراک حل کوي اودنس ماده حل کوي نوډه ته پکارده  
 چي خوب وکړي. ليکن په خوب کي هم اعتدال ضروري دي  
 ځکه چي په ډير خوب کولوسره سړي کمزوري  
 کيږي. ډير خوب کونکي به په ورځ دمحشر  
 دغريبانو اومفلسانوسره راپورته کړل سي. ځکه حضرت  
 سليمان عليه السلام ته خپلي مورنصيحت وکي چي اي هلکه  
 ته ډير مه بديره ځکه چي در ضرورت زيات خوب انسان  
 دقيامت په ورځ مفلس کوي اودمفلسانوپه صف کي په  
 راپورته کيږي. په دوهمه فايده کي علماووليکلي دي چي  
 دڅلوروختونودخوب څخه ځان ساتل پکاردي ۱ دسهارپه  
 وخت کي ۲ دڅانښت په وخت کي ۳ دماپينين ورسته ۴ درماينام  
 ورسته شيخ الرئيس ليکلي دي چي سحر بيده کيدل دانسان  
 بدن کمزوري کوي. مگر نه دغرمي دډوډي ورسته يعني  
 قيلوله کول چي داسنت طريقه هم ده اوددې ډيري فايدي دي  
 مثلاً دماغ مضبوطوي عقل تيزوي د شيخ الرئيس قول دي چي  
 دورځي ډير خوب کول مناسب نه دي ځکه چي دورځي بيده  
 کيدل بيده مرضونه راويښوي، توري سخت کوي، رنگ  
 خرابوي، ليکن دقيلولي څه مضائقه نسته. بايددشپي زياته  
 حصه خوب ته ورکړل سي. ټوله شپه په ويښه تيرول

ډیر مضر دي. ددې سره د بدهضمي شکایت پیدا کړي. عقل او دماغ کمزوریکړي. په بدن کې خشکي پیدا کړي. کله کله داسې هم پېښه سي چې د لیونتوب سبب وگرځي. ځکه رسول الله ﷺ و حضرت عثمان رضی الله عنه ته د ټولي شپې د شوگرې څخه منعه کړي وه او فرمائي ئې وه چې ستادنفس هم پرتاباندي حق دي او ټوله شپه په خوب تیرول هم ښه نه دي بلکه د سفیدو څخه درمخه راپورته کیدل پکار دي ځکه ټوله شپه په خوب سره شیطان دسري په غورکې بولي کوي.

### د آب زمزم فايدي او خاصيتونه:

علاج: امام جزري په خپل کتاب حصن حصین کې روایت نقل کړي دي چې په آب زمزم کې د هر شي څخه شفاءسته. که په مرض کې د شفاء په نیت سره وڅښل سي نو شفاءده او که د تندي دپاره وڅښل سي نو تنده ماته وي. حضرت انس رضی الله تعالی عنه چې به کله آب زمزم څښلې نو دادعا به ئې ويل (اللهم اني اسئلك علما نافعاً ورزقا واسعاً وشفاء من کل داء) (ترجمه) اي الله ﷻ زه ستا څخه د مفید علم او درزق د زیاتوالي او د ټول ناروغیو څخه د شفا سوال کوم.

### د ابو څښلو صحیح طریقه:

علاج: په جامع کبیر کې د حضرت ابوهریره رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چې رسول الله ﷺ فرمائي دي چې هر کله تاسو اوبه څښئ نو په یوه ساه یی مه څښئ ځکه په ساه څښلو سره په سینه کې درد پیدا کړي د حضرت انس بن مالک رضی الله تعالی عنه څخه ابو حاتم روایت کړی دي چې

رسول الله ﷺ به په دروساو اوبه څښلې او فرمائل به ئې چې داطريقه تنده بڼه ماتوي او خوراک بڼه هضم کوي. تندرستي قائمه وي. په بعضې احاديثوکي راغلي دي چې په ولاړي سره داوبو څښلو څخه منع هم کړي ده. په ترميذي اونورو کتابونوکي دحضرت انس بن مالک رضی الله تعالی عنه څخه روايت دي چې رسول الله ﷺ په ولاړي سره داوبو څښلو څخه منع کړی ده. بعضې اطباووليکلي دي چې په ولاړي سره اوبه څښل په نس کي درد پيدا کوي. بعضې عالمانوليکلي دي چې په ولاړي سره اوبه څښل په دروځايونوکي جائز دي. اول آب زمزم دوهم آب سبيل (دخيرات په نيت ايښودل سوي اوبه) دريم آب وضوء (داودس څخه ورسته پاته اوبه) په بعضې احاديثوکي دمشک څخه هم په ولاړي اوبه څښل صحيح بللي سوي دي. بعضې اطباووليکلي دي چې په ولاړه او پروته سره اوبه څښل اعصاب اومعه کمزوري کوي. په بعضې احاديثوکي راغلي دي چې در رسول الله ﷺ يخي اوخوري اوبه ډيري خوښي وي. ځکه په ابوداودکي دعائشي رضی الله تعالی عنها څخه روايت دي چې مابه در رسول الله ﷺ دپاره يخي اوخوري اوبه دسقا څخه راغونښتي (سقياديوکلي نوم دي چې دمدني څخه ددروورځوپه مزل باندي دي) په فايده کښي ليکلی دي چې شيخ ابو علي سيناويلي دي چې خوري اوبه درتولوبهتره دي. داوبو څښلو صحيح وخت هغه دي چې کله ده خوراک دهضم کيدو وخت وي. که دخوراک هضم کيدو ورسته اوبه وڅښل سي نو ډيره به بهتره وي. بعضې اطباووليکلي دي چې دخوراک څخه مخکې اوبه څښل دمعدې حرارت ختموي. او دخوراک څخه ورسته اوبه څښل په معدۀ کي

گرمي پيداڪوي اوبدن ڀر سوي. بقراط ليکي ڏي ڇي دخوراڪ  
 ڇخه ورسته دستياوبه ڇينيل بنه نه ڏي. ڀه نهاره اوبه ڇينيل  
 هاضمه خرابوي. دخوراڪ ڇخه ورسته اوبه ڇينيل غذا هضم  
 ڪوي. ڀه احياء العلوم کي امام غزالي ليکي ڏي ڇي د خوب  
 ڇخه در اوڀينيدو ورسته دستي اوبه مه ڇينئي ڇڪه حرارت  
 غريزي ختميري. دجماع ڪولو ورسته اوبه ڇينيل دگوزن  
 ناروغي پيداڪوي. دميو ڇي دخورلو ورسته هم اوبه ڇينيل بنه نه  
 ڏي ڇڪه پرڙبه باندي زخمونه پيداڪيري.

### درتولو غوره اوبه ڪومي ڏي؟

ترتولو اوبو غوره اوبه دباران اوبه ڏي. تردي ورسته رواني  
 جاري اوبه ڏي ڇي دمشق ڇخه ومغرب طرف اوياد مغرب  
 ڇخه ومشرق طرف ته بهيري. يادشمال ڇخه وجنوب طرف ته  
 بهيري. دڏي ڇخه ماسوانوري اوبه هم مفيدي ڏي دطب ڀه  
 ڪتابوڪي دڏي پوره تفصيل سته دڇاه اوولي اوبه يوڇاي ڪول  
 او استعمالو لدسختونارو غيو دپيداڪيدو سبب گرڇي. فايده: ڀه سفر  
 السعادة کي ليکي ڏي در رسول الله ﷺ ارشاد ڏي ڇي  
 تاسو دلوبنو خولي پتوي ڇڪه ڀه ڪال کي يوه شپه داسي راڇي  
 ڇي داسمان ڇخه بلاوي نازيليري اوبه هغه لوبنوڪي ڇي سر  
 بي لڇ وي لوڀيري.

### دو ايانودوه قسمونه ڏي:

۱ ادويات طبعي ۲ ادويات الهيا ادويات الهي ته ادويات روحاني  
 هم ويل ڪيري. تراوسه پوري ڀه ڏي ڪتاب کيد طبعي  
 ادوياتو ذڪر ڪيدي ڀه دڀڪي اطباء هم شريڪ ڏي. اوس به دالهي  
 ادوياتو بيان ڪيري ڇي دادانبياء عليهم السلام ڇخه ماسوائي

نور هيڅوک نه پيژني. دادويات الهي مختلفي طريقي دي چي کله په آيات قرآني، کله په اسماء الهي، اوکله په دعاسره علاج کيږي. کله په رقيه چي په فارسي کي ورته افسون اوپه هندي کي ورته منتر ويل کيږي علاج کيږي. ليکن منتر هغه صحيح دی چي په اسماء الهي او يا آيات قرآني سره وي. او معني يی هم معلومه وي. ځکه چي دناداني له وجي څخه په شرک کي مبتلانه سي. ځکه خود رسول الله ﷺ معمول داووجيکله به دده څخه دمنتر کولو خواست وسوئوده به وکتل که به چيري دشرک څخه پاک وونودمنتر کولو اجازه به ئي ورته ورکړه چي دا عمل وکړي او خپلو ورنپروته فايده ورسوي. په ابوداوود وغيره کي دبن مسعود رضی الله تعالی عنه څخه روايت دي چي رسول الله ﷺ فرمايلي دي چي رقيه (منتر) تائم طيره شرک دي. فايده: ددي حديث شريف څخه معلومه سوه چي بعضي منتر هم شرک دي ليکن شرک په هغه منتر وسره دي کم چي دقران او اسماء الهي څخه نه وي. او معني ئي هم معلومه نه وي. او کم منتر چي دقران او اسمائي الهي سره برابر وي په هغه کي هيڅ باک نسته په دريمه فايده کي ليکلي دي چي تائم دطيمي جمع ده او طميه خرمرې ته ويل کيږي او دزمرې وغيره نوکان هم پکښي شامل دي. عربان دخپلوماشومانوپه غاړه کي دبدنظر څخه دحفاظت لپاره داشی يعني خرمره اچوي. دې ته رسول الله ﷺ شرک ويلي دي.

### دعام تعويذکولو حکم:

په کوم تعويذکي چي آيات قرآني او اسمائي الهي نه وي ياوي خود غير الله ﷻ نوم هم ورسره شامل وي داسی تعويذونه

صحيح نه دي. ددي څخه معلومه سوه چي کوچنيانوته دچادنوم طوق، خنځير، ياطبندورپه غاړه كول هم صحيح نه دي. ولي چي داهم په طمانم کي راځي. ددي دليل دادي چي که په خر مهره يادزمرې په نوکونو کي شکاره هيڅ شرک نسته ليکن اچونکي داعقیده لري چي ددي شيانوپه ذريعه ماشوم دبدنظر څخه محفوظ وي بس دغه شرک دي دغه رنگه دخلگونيت په خنځير، طوبندوغيره کي هم دي نوداهم شرک دي.

### دمنتر (تعويذ) حکم:

بعضي ښځي دخپل ميره دمحببت دحاصلولودپاره منترونه اوکوډي کوي. رسول الله ﷺ دې ټولو خبروته شرک ويلي دي ليکن چي کوم منتر داسي وي چي معني ئي نه وي معلومهاوهغه رسول الله ﷺ اوريدلي وي اودهغه څخه ئي منعه نه وي کړي نودهغه په کولوکي څه نقصان نسته ځکه که په دې کي شرک وائي نور رسول الله ﷺ به ضرور منع ځندي کړي واي در رسول الله ﷺ پټه خوله پاته کيدل ددي کار دصحيح کيدو دليل دی.

### په روحانيادوياتوسره د علاج طريقه:

کم سړي چي په الهی (روحاني) ادوياتوسره علاج کول غواړي نوده ته پکار ده چي دهر څه مخکي خپله عقیده خالصه اوپخه کړي که نه وي نوهيڅ فايده به ورته ونه رسيري کله چي فايده ورته ونه رسيري نودخپل ځان څخه ماسواډي څوک دې نه ملائمه وي. ځکه دواهم هغه وخت فايده کوي چيکله معده جوړه صحيح وي اوکه معده صحيح

کار نه کوي نودواهم فايده نه کوي. تاسوته معلومه ده چي په جاموباندي رنگ هغه وخت بڼه سم راځي چي کله جامي بڼه پاکي اومضبوطه وي. په خرابه او کمزوري جامه باندي رنگ سم نه راځي نودلته نقصان درنگساز نه بلکي دجامي دي. همداسی مثال دعقیدبهم دي چي کله عقیده جوړه اوسمه وي نوروحاني دوائی فايده ورته رسوي اوکله چي عقیده سمه نه وي نوروحاني دواهیڅ فايده نه رسوي. کله کله داسي هم وي چي دسري عقیده سمه وي لیکن هغه بیا هم علاج نه کوي ددې وجه داده چي هغه سري په غفلت ناخبرتیابی دلي (چی دزړه اخلاص پکښي نه وي) سره دعاکوي، یادحرامووغیره څخه پرهیز نه کوي. کله کله داسی هم وي چي یوسري دیومرض دپاره دعاکوي اوبل مرض چي دي دهغه په شتون ناخبره وي ددې دعاپه برکت سره ليري کيږي بنده دافکر کوي چي زما دعانده قبوله سوي. ځکه دحدیث شریف مضمون دي چي دعاوبلاپه خپل منځ کي یو دبل سره غیرباسی (کشتی کوي) دعاغواري زه غالبه سم اوبلاغواري چي زه غالبه سم اودعادي ته شکست ورکوي اودغه رنگه درقیامته پوري جنگ کوي. دمعالجات روحاني په ذریعه علاج کول دهرچاڅخه بڼه نه دي بلکه داسی علاج دعالم، متقی، اودینداره سري څخه کول پکار دي. ځکه چي دنیکانوخلقوپه ژبه کي الله تعالی □ یوتاثیر هم ایښي وي اوددې خلقودعاهم الله تعالی □ قبلوي دالله تعالی □ په فضل اوکرم سره ددوایانو اوداروغانو اودطب حصه سرته ورسیده اوس دقرآني آیاتونو اوداحادیثو ددعاگانو حصه شروع کيږي.

دالله □ بنده محمدرفيق کاکاخيل عفا الله عنه

اوله حصه ختمه سوه:

دویمه حصه:

دالله تعالیٰ په نومونو سره علاج کول:

په دعاویلو سره دتبی علاج:

علاج: په مشکوة شریف کې راغلي دي چې په چاتبه راسی نوپه هغه دي دادعادم کرل سی. ناروغ ئي خپله هم پر خپل خان ویلي سی. دعاداده: وعن ابن عباس أن النبي صلى الله عليه و سلم كان يعلمهم من الحمى وم الأوجاع كلها أن يقولوا بسم الله الكبير أعوذ بالله العظيم من شر كل عرق نعار ومن شر حر النار (ترجمه) شروع کوم دالله په نوم سره دلوي رب څخه پناه غواړم اوداوردگرمي څخه اودهرې لمبې والاورڅخه.

دسترګي دتکلیف دعا:

علاج: امام جزری په حصن حصین کې لیکلي دي چې دچاسترګي خوړوي هغه دي دادعاوائي اودم دې کې دعاداده: اللهم متعني ببصري واجعله الوارث وارني في العدو وتاري وانصرني علي من ظلمني. (ترجمه) اي الله زما بینائي باقی وساتې اوددبښمن په مقابل کې زما بډله راکړې اوچې په ماباندې ظلم کوي دده مقابل زما مددو کړې.

## د عامو ناجوړيو د پاره دعا:

علاج: صاحب سفر السعادة دابوداودڅخه روايت رانقل کړي  
 دی چې مادرسول الله ﷺ څخه اوریدلي دي چې څوک ناروغ  
 وي هغه دي دادعاوائي: ربنا الله الذي في السماء تقدس اسمك  
 أمرك في السماء والأرض كما رحمتك في السماء فاجعل  
 رحمتك في الأرض و اغفر لنا ذنوبنا وأنت رب الطيبين أنزل  
 رحمة من رحمتك وشفاء من شفائك على هذا الوجع  
 (ترجمه) ای زماخدايه چې ستانوم مقدس دي اوستاحکم په  
 مخکۀ او اسمان کي جاري دي څرنگه چې په آسمان کي  
 ستارحمت دي دغه شان په مخکۀ باندي هم خپل رحمت نازل  
 کړه پاک ئي دخلگورب ئي دخپلورحمتونوڅخه رحمت  
 اودخپل قدرت څخه شفاء را کړي په روايت کي ددي څخه  
 ورسته ليکلي دي چې کم سړی چې دادعاووائي الله  
 تعالي ﷻ به هغه ته شفاء ورکړي اوکهدچاپه پښتورگی کي  
 ډبره وي اوبولي ئي بندي سوي وي نودهغه دپاره هم  
 دادعاپيره مفیده ده.

## د مارخوړلي د پاره دعا:

علاج: په صحيح مسلم کي دابوسعيد خدري رضی الله تعالي  
 عنه څخه روايت دي چې دهغه حاصل دادي چې دصحابه  
 وويو جماعت يوکورته ولاړي چې دهغه کورمالک  
 مارخوړلي وودکورخلگو صاحبه کراموته وويل چې تاسوددی  
 علاج وکړي اصحابی کراموورته وويل چيکه ستاسومشر  
 جوړسي نوڅه شی به را کړي کورو الاورته وويل چې  
 يوډنگر دبیزوبه درکړو (په بعضي رواياتوکی راغلي دي چې

دبیزو تعداد دیرش وو) په صحابه کرامو کي یونفر دهغه کور و لادپاره سورة فاتحه (الحمد لله شریف) وویل او پر دم ئي کړه او مارخور لي جوړ سو. صحابه کرام چي بیرته راوگرځیدل نورسول الله ﷻ ته ئي ټوله واقعه بیان کړه رسول الله ﷻ ورته وویل چي تاسو د پیرینه وکړه. لیکن تاسو ته داڅنگه معلومه سوه چی سورة فاتحه د مارخور لیدپاره دم دي؟ بیاني و فرمایل چي دغه بیزی په خپلو کي سره تقسیم کړئ اوز مور حصه هم پکښی مقرره کړي. فایده ددی حدیث شریف څخه دا معلومه سوه چي کوم علاجونه د قرآن او حدیث شریف څخه ایستل سوي دي که په دې باندي څوک اجرت اخلي نو هیڅ تاوان نسته او دغه اجرت پاک او حلال دي.

## د قرآن کریم څخه د جسماني او روحاني ناروغیو علاج:

علاج: قرآن کریم د روحاني او جسماني دواړو ناروغیو دپاره فایده مند دي ځکه په ابن ماجه کي د حضرت علي رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي قرآن درتولو بهتره دوا ده. او امام بهیقي وائله بن اسقع څخه روایت کړي دي چي یوسری ورسول الله ﷻ ته د حلق د درد شکایت وکړي هغه ورته و فرمایل چي د قرآن تلاوت خپل طریقه او عادت جوړ که. ابن ماجه او ابن مردویه د حضرت ابوسعید خدری رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړي دي چي یوسری دخپلي سيني د درد شکایت ورسول الله ﷻ ته وکړي هغه ورته و فرمایل قرآن شریف وائي ځکه چي الله تعالی ﷻ فرمائي دي چي قرآن

شریف ددی ناجوری دپاره شفاء ده کمه چی ستاپه سینه کي ده.

### دسوره فاتحي خاصیتونه:

علاج: سورة فاتحه دهر مرض دپاره مفیده ده ځکه په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي په سورة فاتحه کي سوادمرگ څخه دهرې ناجوری څخه شفاء ده. اوبیهیقي دحضرت ابوسعید خدری رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړي دي چي سورة فاتحه دزهرودوده رسول الله ﷺ ماته ارشاداوکړي چي هر کله ستاسودبیده کیدواراده وي نوسورة فاتحه اوسورة احد وایاست. ددی په برکت به دمرگ څخه ماسوادهرې بلاڅخه محفوظ یاست. امام جزري په خپلکتاب کي لیکلي دي چي که یوسړی لیوني سی نوپه دغه سړي باندي دردرې ورځوپوري سهار اومابنام درې واره سورة فاتحه وایاست اوپر دم کوئ ئي.

### دلیونتبوب ليري کولو عمل:

علاج: صاحب اتقان کي دایبکعب رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي زه یوه ورځ درسول الله ﷺ په وړاندي حاضر وم چي یواعرابی(صحرائی) راغي او عرض ئي وکړي چي زماورورناروغ دي رسول الله ﷺ پوښتنه ځني وکړه چي څه ناجوري ئي ده؟ هغه وویل چي زماورورلیوني سوي دی. رسول الله ﷺ وفرمائل چي ماته ئي راوله هغه ولاري ورور ئي راوستي رسول الله ﷺ هغه ځانته کښینوي اوده ته

مخامخ ئی سورة فاتحه اوڅلوراولني اياتونه دسورة بقري ولوستل ترمفلحون پوري الهکم اله واحداو آیات ايات الكرسی اودري اياتونه اخرى دسورة بقري اويوآيت سورة ال عمران دشهدالله څخه ترحکیم پوري اويوسورة اعراف دان ربکم څخه تر رب العلمین پوري اويوآيت دسورة الجن وَأَنْهتَعَالَى جَدُّ رَبِّنَا مَا اتَّخَذَ صَاحِبَةً وَلَا وَلَدًا اودري اياتونه دسورة صفت تر عذاب پوري اودري آیاتونه سورة حشر او قل هو الله اومعوذتين قل اعوذ برب الفلق او قل اعوذ برب الناس دا اياتونه ئی پردغه سړی وه ولوستل اودغه سړي په دغه وخت کي داسی جوړسولکه ګر سره چي ناجوړي سوي نه وي.

### دهر قسم در دپاره عمل:

علاج: امام جزری په خپل کتاب کي لیکلي دي چي دکم سړی یوځایدر شروع کي نوده ته پکارده چي خپل راسته لاس ددر دپړځاي باندي کښیږدي او اووه واره دادعاووائی اوهر واردي لاس پورته کوي دعاداده: بسم الله اعوذ بعزة الله وقدرته من شر ما لجدومن وجع هذا (ترجمه) شروع کوم په نامه دالله □ سره پناه غواړم په عزت او قدرت دالله □ سره دخپل در داو تکلیف څخه په کوم کي چي مبتلاء یم.

### دپیر امر اضودپاره دعا:

علاج: په حدیث شریف کي راغلي دي چي کله رسول الله □ ناروغه سونوجبرائیل علیه السلام دادعاويله

بسم الله ارقى من كل شيء يودىكم شر كل عين حاسد الله  
يشفيك بسم الله ارقى من جمه شروع كوم الله په مبارك  
نامه سره زه ستاحفاظت كوم الله دې تاته دهر تكليف  
وركونكي شى اوهرى حسد كونكي سترگي دحسد اوشرخه  
شفاء دركړي دالله په مبارك نامه سره ستاحفاظت كوم.

### دلرم خوړلي دپاره دعا:

علاج: په مستدرک ابی شیبه کی د عبدالله بن مسعود رضی الله  
تعالی عنه خخه روایت دي چي رسول الله په لمانځه  
ولاړوولرم پر گوته وخوړئ کله چي دلمانځه خخه فارغ  
سوئي فرمائیل چي الله دي لعنت په لرم وکي ده نه دامت  
نبی پرینودی نه ئي بل څوک ورسته به ئي په اوبو کي  
مالگه واچول اوگوته به ئي پکښي ونيول. اوسوره  
احداو معوذتین به ئي ویل شروع کړه ترهغه وخته پوري چي  
در دختم کیدی. په بعضي روایاتو کي ددې علاج سورة فاتحه  
اووه ځله ویل هم راغلي دي. په بعضي روایاتو کي راغلي دي  
چي در رسول الله په خدمت کي یو صحابي رضی الله تعالی  
عنه عرض وکي چي یا رسول الله زما دلرم دم زده دي  
رسول الله چي داواریدل نو ونيول چي دا عمل کوئ  
او ځلگوته فایده ورسوي. هغه دم دادی:

بسم الله شجرة قريية ملحاة يجراققطا: دادم ديرویل اوپرلرم  
خوړلي ځاي باندي ئي دم کوئ. فایده: ددې دم معني اکرکه  
مورته نه ده معلومه مگر چي رسول الله واوریدی  
نودویلوا اجازه ئي ورکړه نوپه دې سره په علاج کولو کي هیڅ

نقصان نسته. کچيري په دې کي دشرک څه شبه وائي  
نورسول الله ﷻ به هيڅ کله هم اجازه نه وائي ورکړي.

### د زخم اودانو علاج:

علاج: که دچاپر بدن باندي زخم ياداني وي نو بايدچي د شهادت  
گوته پرمخکه باندي کيږدي اوبياني راپورته کړي او پر زخم  
باندي ئي کنيږدي اودادعاوائي: بسم الله تربة ارضنا بريقة  
بعضنا يشفي سقيمن اباذن ربنا (ترجمه) شروع کوم دالله ﷻ په نامه  
سره چي دمخکي خاوره چي په مورکي دچاناروسره يوځاي  
سي نوزمور رب شفاء ورکوي. څوک چي هره ورځ داعمل  
کوي انشاءالله جوړ به سي. په مسلم شريف اونورو کتابوکي  
دحضرت عائشي رضي الله تعالى عنها څخه روايت دي چي  
يوسري درسول الله ﷻ په خدمت کي حاضر سواوورته وئي  
ويل چي يارسول الله ﷻ دکوم وخت څخه چي مسلمان سوي يم  
دهغه وخت څخه مي په بدن کي درد پيدا سويدي رسول  
الله ﷻ ورته وفرمائل چي ددرديرځاي باندي لاس کنيږده  
اودري واره بسم الله او اووه واره اعوذ بالله وقدرته من شر  
ماجدوا حاضر ووايه.

### د طاعون او وبا علاج:

علاج: په بعضباحاديثوکي راغلي دي چي رسول  
الله ﷻ فرمائي دي چي طاعون يوقسم عذاب دي چي په بني  
اسرائلواوپه تيروسووامتونوباندي راليرل سوي وه. کله چي  
سري په دې خبر سي چي په فلان ځاي کي وبا راغلي ده  
بايدهغه ځاي ته سري ورنه سي اوکه په هغه ځاي کي چي

سري اوسيري طاعون وبانازله سي بايدورڅخه ولاړنه  
 سي.فايده:دطاعون څخه دلته وبامراده لکه څرنگه چي په  
 صراط المستقيم کتاب کي راغلي دي.ددي حديث شريف  
 مفهوم دادي چي وباهم يوقسم عذاب دي چي الله ﷻ ئي  
 دگناهونوپه وجه نازلوي کله چي معلومه سي چي فلاني ځاي  
 کي وبانازله سوي ده نو هلته دى سري نه ځي ځکه په قصد  
 سره ځان په هلاکت کي اچول جائز نه دي.اوکه په هغه ځاي  
 کي اوباراسى چيري چي سري اوسيري دهغه ځاي څخه بل  
 ځاي ته تلل هم نه دي پکار ولي چي دتقديرالهي څخه تينسته  
 کول هم بڼه نه دي.بلکه په بعضي احاديثو کي راغلي دي  
 چي دطاعون په مرگ سره دمسلمان مرگ دشهادت درجه  
 لري.په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي وباوطاعون  
 دشيطانانو اوپيريانانونشتر دى.يعني دوي دانسانانوپه بدن کي  
 نشتر ووهي چي دهغه په وهلو سره دانسان په بدن کي زهر  
 وپاشل سي اوانسان مړسي.زماگرانوورنودامکان تر حده  
 دگناهونوڅخه خپل ځانونهوساتي.په حديث شريف کي راغلي  
 چي په کوم قوم کي زنا رواج سي نو په دغه قوم کي مرگ  
 عام کړه سي ددي حديث شريف څخه معلوميري چي  
 دوباليري کولو تر ټولوبڼه علاج توبه اوکثرت  
 استغفار دي.دسکنجبين اوگلابودشربت په ځاي باندي  
 ددعاشربت څښل پکار دي.په حديث شريف کي راغلي دي  
 چي څوک پر ځان باندي استغفار لازم کړي نوالله ﷻ ورته  
 دهر غم او تکليف څخه نجات ورکوي.په بعضي احاديثوکي  
 راغلي دي چي نازلي سوي بلاگاني او هغه چي نازلي سوي  
 نه دي هغه ټولي الله تعالي ﷻ ددعا په برکت سره ليري  
 کوي.دوبا په ورځو کي بايد صدقي اوخير اتونه ډيروسي.په

حديث شريف كي راغلي دي صدقه الله تعالى □ غصه اوقهر  
 سروي په دغه ورځو كي دآلوبخاري ددانوپرځاي سبحان الله  
 په خله كي كيږدي ځكه چي په حديث شريف كي راغلي دي  
 چي سبحان الله ويل سري الله □ د عذاب څخه ساتي. اوداهم  
 ضروري ده چي اطبواووئيلي دي چي دوباپه زمانه كي  
 عطر، عنبر، اومشك، وغيره بويول پكار دي. ليكن  
 علماووليكلي دي چي په دغه دوران كي ددي بويولوپرځاي  
 دردشريف په كثر ت سره ويل پكار دي ځكه داپير مفيد دي. په  
 حديث شريف كي راغلي دي چي درودويل غم ختم  
 كوي. لاحول ولا قوة الا بالله العلي العظيم: ويل هم لازمي  
 دي. ځكه په حديث شريف كي راغلي دي چي داديو سل  
 ناروغيودوا ده. دوباپه ورځو كي لمنځونوته هم بايدجدي پاملرنه  
 وسي ځكه كله چي به رسول الله □ ته كم غم راوړاندي  
 سونونفل لمنځونه به ئي په كثر ت سره كول. په دغه ورځو كي  
 دكافور پرځاي تقوي بوي كوي. ځكه ددي په بركت به مو الله  
 تعالى □ دټولوبلاگانوڅخه محفوظ وساتي. دا علاج چي پورته  
 ذكر سورو حاني اواصلي علاج ووليكن لبرجسماني علاج دطب  
 هم بيانوو.

### دوباطبي علاج:

دوباپه ورځو كي بايدسري لاندي تدابير په فهم كي ونيسي. په  
 داسي ځاي كوركي وه اوسيرئ چي هوئي خلاصه  
 وي، اوسايه ولري، خوشبوياني لكه  
 كافور، مشك، عنبر، عود، اوعطر بويول په غذاكي  
 سركه، ليمبو، اوسكينجبين وغيره استعمالول. په كوركي  
 عوداوكافوردودول. سركه اوعرق گلاب په ټولوكنجانوكي

پاشل. ټکول سوي پياز په تاخچوکي ايښودل. اوپه هواکي  
ډيرنه گرځيدل. که د ضرورت په بناءيوې خواته سفر وي  
نوخله اوپزه او غوړونه دي په يوه جامه ټينگ پټ کي. دځان  
سره عطر سائل. ددې موسم د سبزيجاتو او غوښوڅخه  
پر هيز کول.

### د سحر جادو علاج:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي      ض چي لبيدبن  
عاصم يهودي په رسول الله ﷺ جادوکړي وو. چي په نتيجه کي  
رسول الله ﷺ بيمار سو په بعضي رواياتوکي راغلي دي چي دى  
مبارک شپږ مياشتى ناروغه وو اوپه دې وجه رسول الله ﷺ ډير  
کمزوري سوي وويوه ورځ ئي په خوب کي دوې فرشتي  
وليدې چي يوې دبلي څخه پوښتنه وکړه چي درسول الله ﷺ څه  
ناجوړي ده؟ هغه بلي جواب ورکړي چي په رسول  
الله ﷺ جادو سوي دي. اولي بيا وويل جادو چاپه کړي دي؟ دوهمي  
وويل لبيدبن عاصم. اولي بيا پوښتنه وکړه چي د جادو اثر په څه  
شى باندي دى؟ دوهمي وويل چي درسول الله ﷺ دسر په  
ورينستانوکي او دژمونځ په غاښوکي دولس غوتي ئي ورکړي  
دي او دخرمپه غلاف کي ئي ايښى دي او دوزران په څاه کي  
ئې درډيره لاندې ښخ کړي دي. کله چي رسول الله ﷺ سهار  
رابيدار سونوسره د اصحابو رضی الله تعالی عنهم اجمعين ئي  
ودغه څاه ته تشریف راوړي. دوه صحابييان ودغه څاه ته  
ورکښته سوه. هغه کوډي او جادوئي پيدا کړي او راوئي  
کښلي. بعضي خلقو ويلي دي چي دادوه صحابييان حضرت  
علي رضی الله عنه او حضرت عمار رضی الله تعالی عنه  
وو. په فتح الباري کي راغلي دي چي په دغه جادوکي

در رسول الله ﷺ موموشکل جوړسوي وواوپه دې کي ستنې  
چځل سوي وې. کله چي ستن يوه يوه ځني ايستل کيدل هلته  
به در رسول الله ﷺ بدن مبارک ارام پيداکوي. او هغه دولس غوتي  
چي ورکول سوي وي هغه چا نه سواي خلاصولاي ځکه  
نوجبريل عليه السلام معوذتين راوړل (قل اعوذ برب الفلق  
او قل اعوذ برب الناس) اووي فرمائل چي په دې  
دواړو سورتوکي دولس اياتونه دي پر دغه غوتوئي دم کړي  
ددې په برکت سره به دا غوتي خلاصي سي د حديث مضمون  
ختم سو. په بعضي رواياتوکي دکعب احبار رضي الله تعالى  
عنه څخه روايت دي چي که ماډاکلمات سهار او ماښام نه  
لو ستلاي نو يهودانوبه زما څخه دکوډو او جادوپه ذريعه سپي  
يا خر جوړ کړي واي فايده: کعب رضي الله تعالى عنه چي هر  
کله مسلمان سونويهودان دده دشمنان سوه اوپه ده پسي سول  
نوده دا کلمات لوستل شروع کړ هاو د يهودانو دشتر څخه محفوظ  
سو. د عدادده:

اعوذ بالله بكلمات التامات التي لا يجاوزهن بر ولا فاجر  
واعوذ بوجهه العظيم الجليل الذي لا يختصر جاره الذي يمسك  
السماء ان تقع علي الارض الاباذنهم شر التامة ومن شر  
ما ذرافي الارض ومن شر ما يخرج منها ومن شر ما ينزل من  
السماء وما يعرج فيها ومن شر كل دابة انت اخذ بناصيتها ان  
ربي علي صراط مستقيم.

که دادعا څوک سهار او ماښام وائي نو د جادو څخه به محفوظ  
وي.

## دنمله علاج:

علاج: دنمله یو قسم داني دی چی دسړی په بغل کی وي ددې سره سړی ته داسی محسوسیږي لکه په زخم کي چي ميري گرځي ددې علاج څنگه چي په ابوداود کبني دشفابنت عبدالله څخه روايت دي چي يوه ورځ حضور کورته تشریف راوړي دغه وخت زه دحضرت حفصې رضی الله تعالی عنها سره ناست وم ده ماته اوفر مائل چي ته حفصې رضی الله تعالی عنها ته دنمله منتر ولي نه وربښوئ. څرنگه چي تالیکلي اوزده کړي دي دنمله دپاره دعاداده.

بسم الله صلت حتي تقور من افواههم الهم اکشف الباس رب الناس: دادعاچي په یولرگي باندي وویل سی بیا یوه تیزه سرکه راواخلي او په ډبره باندي ئی توی کړی اودالرگی په ډبره باندي اومړي اوبیائي په هغه په هغه دانو پوري کړي. ددې حدیث شریف څخه دامعلومه سوه چي دښځې دپاره ئی لیکل اوزده کول مکروه نه دي.

## دنقصان لري کولو علاج:

علاج: که دیوچاڅه نقصان وسي نو دا کلمات دواړي ددې په برکت سره الله □ ده ته نعم البذل ورکړي هغه دعاداده:

انالله وانا اليه راجعون الهم اجرني من مصيبتی واخلف لی خیر امنها: فایده: ام سلمة رضی الله تعالی عنها اولني خاوندته يعني ابوسلمة ته دادعا وربښودلي وه نوالله □ ده لره ددې شی

څخه بهتر ورکړه ام سلمه رضی الله تعالیٰ عنها فرمائي دي چې ماڅپل زړه کي دافکرکوي چې ماته درابوسلمه رضی الله تعالیٰ عنها بهتر خاوند څوکر اښاد کړي ددې واقعي یوڅوورځي ورسته چې رسول الله ﷺ زما سره نکاح وکړه په دغه وخت کي ماته معلومه سوه چې داددې دعا برکت دي چې اوس ښکاره سو.

### دنظر کیدلو علاج:

علاج: دانسان په سترگوکي هم یو قسم زهر موجود دي لکه څرنگه چې لږم نیش جگوي اودمار په ژبه کي زهر دي ددې په شان دانسان په سترگوکي هم زهر دي اودهغه زهر نظر کیدل دي اونظر صرف په انسان باندي نه بلکي په هر شی باندي لکه په اولاد، ځناور، باغ، دولت، اسباب، وغیره باندي هم اثر کوي. ځکه خوالله تعالیٰ ﷻ دخپل نازولي پیغمبر رسول الله ﷺ په ژبه ددې علاج هم خپل امت ته وربښودلی دي ددې دپاره چې دالله ﷻ مخلوق ددې څخه فایده حاصله کړي. حضرت حسن بصري رضی الله تعالیٰ عنه ویلي دي چې که څوک دخپل ځان دنظر کیدو څخه بیریري نو هغه سری دي دسورة ن دآیات وائي اودري واره دي پرځان باندي دم کوي:

وَإِنْ يَكَادُ الَّذِينَ كَفَرُوا لَيُزْلِقُونَكَ بِأَبْصَارِهِمْ لَمَّا سَمِعُوا الذِّكْرَ وَيَقُولُونَ إِنَّهُ لَمَجْنُونٌ 51 وَمَا هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ: که یوچاته دبل سری اولاد، باغ، دکان، حیوان، یا بل شی په نظر ښه ورسی نوداد عادوائي ماشاء الله لاحول ولاقوة الا بالله العلي العظيم. ددې په برکت به هغه شی نه نظر کیري. په کتاب

صراط المستقيم کي ليکلي دي چي امام ابو القلم قشيري  
 فرمائي دی چي زمزوي يووختدير سخت نارو غه سوختي  
 چي مرگ ته نزدي سوم اتفاقاً راته په خوب کي در رسول  
 الله ﷺ زيارت حاصل سوده لک دنارو غي شکايت مي ورسول  
 الله ﷺ ته وکړي هغه راته وفرمائل چي ددي آيات دشفاء څخه  
 ولي غافله ئي؟ آيات شفاء: ۱ وَيَشْفِ صُدُورَ قَوْمٍ مُّؤْمِنِينَ  
 ۲ وَشِفَاءً لِّمَا فِي الصُّدُورِ ۳ يَخْرُجُ مِنْ بُطُونِهَا شَرَابٌ مُّخْتَلِفٌ  
 أَلْوَانُهُ فِيهِ شِفَاءٌ لِلنَّاسِ ۴ وَأَنْزَلَ مِنَ الْقُرْآنِ مَا هُوَ شِفَاءٌ وَرَحْمَةٌ  
 لِّلْمُؤْمِنِينَ ۵ وَإِذَا مَرِضْتُ فَهُوَ يَشْفِينِ ۶ قُلْ هُوَ الَّذِي يَأْمُرُ بِالْهُدَى  
 وَشِفَاءً: نومادا آياتونه وليکل اوپه ابوکيمي ويلیکړه اوپه زوي  
 مي وڅينل ددي په برکت سره هغه داسی جوړسولکه  
 گرسره چي ناجوری سوي نه وي. يو عالم عبدالله ويلي دي  
 چي زما سره يوتيز اوچالاک اوبن وواتفاق په يومنزل باندي  
 مي دتاکيدواراده سوه نوماته يوچاوويل چي دلته يوسري دي  
 چي په نظر کولوکي ډير مشهور دي اوستا اوبن ډير ښه دي  
 هسی نه چي درنظر ئي کړي اوستا اوبن ضائع سی؟ مایه  
 جواب کي ورته وويل چي زما په اوبن دهغه نظر تاثیر نه  
 سی کولاي اتفاقاً هغه سري زما په دي خبره خبر سوي  
 وونوراغي اوزما اوبن ته ئي يونظر وکتل دکتلوسره يوځاي  
 دستي اوبن پريوتي اوپه لغتووهلوئي شروع وکړه خلگوراته  
 وويل چي ستا اوبن نظر سوماهغه سري راوبلي اوځان ته مي  
 نږدي کښينوي اودادامي وويل:

بسم الله حبس حابس وشجر يابس شهاب قابض رودت عين  
 العائن عليه وعلي احب الناس اليه فارجع البصر هل ترى من  
 فطورثم ارجع البصر كرتين ينقلب اليك البصر

خاسټاو هو حسير: ددې منتر په ويلو سره دهغه چپه سترگه ووتله اوز ماوېش جوړ سو. ددې قصې د بيانولو څخه مقصد دا ديچي منتر هم په نظر كولو كي مفيد دي اكر كه نظر كونكي نژدې نه وي موجودولي چي د الله ﷻ په نامه كي ډير بركت دي.

### د بدنظر علاج:

مالك ليكلي دي چي عامر بن ربيعه رضی الله تعالی عنه يووخت سهيل رضی الله تعالی عنه بن حنيف په اوبازي كولو وليدي اودايو ويل چي په خداي قسم دي چي ماداسي بدن نه دسري ليدلي دي اونه دښځي په دې ويلو سره دستي سهيل رضی الله تعالی عنه بي هوښه سواو غځار سوكله چي رسول الله ﷺ په خبر سونوو عامر رضی الله تعالی عنه ته يې خشكه وكړه او ورته وئي فرمائل چي خپل مسلمان ورورولي هلاكوي؟ او تاده دپاره دبركت دعاولي نده كړي؟ كله چي ستانظر دده په ښكلي بدن باندي ولگيدي نو دادعا ديولي نه ويل: اللهم بارك عليه: كه دې دادعا ويلي وائي نو دي به نه نظر كيدلاي بيائي وفرمائل چي ته اوس خپل اندامونه، مخ، لاسونه، پښي، او استنجا په يوه لوبښي كي پريمنځه او هغه اوبه پر سهيل رضی الله تعالی عنه باندي واچوه. ددغي طريقې په عملي كولو سره سهيل رضي الله تعالی عنه په هوښ كي راغي او ولاړ سو. نور عمليات هم د بدنظر په حق كي زما په بل كتاب (حاجت روا) كي چي نوراني كتب خاني چاپ كړي دي وگورئ. دطب په باره كي مي هم نور كتابونه ليكلي دي لك طب اكبر، طب روحاني، او نور ډير كتابونه.

## د بدنظر زخم:

علاج: که څوک نظر سي نو بايد دادعاووائي: بسم الله الهم اذهب  
حر هاوېر دهاو صېها: که يو حيوان نظر کړل سوي وي  
نو څلور واره دي په راسته سرمه کي اودري واره دي په چپه  
سرمه کي ورچف کړي ورسته دي دادعاووائي:

لاباس اذهب الباس رب الناس اشف انت الشافي لا يكشف  
الضر الا انت:

## د هر قسم بلا او آفتونو څخه د حفاظت دعا:

علاج: هر سړی چي سهار او ماښام دادعاووائي نو هغه به دهر  
مصيبت او آفت څخه دالله □ په امن او پناه کي وي دعاداده:

الهم انت ربي لا اله الا انت عليك توكلت وانت رب العرش  
الکريم ماشاء الله کان ومالم یکن اعلم ان الله علي کل شیء  
قدير وان الله قد احاط بكل شیء علماً اللهم اني اعوذ بک من  
شر نفسي ومن شر کل دابة انت اخذ بناصيتها ان ربي على  
صراط مستقيم:

روايت دي د ابوداود د صحابي رضی الله تعالی عنه څخه  
يو چاورته وويل چي ستا په کور کي اور لگيدلي او سوځيدلي دي  
ابوداود وويل چي زما کور نه سي سوځيدلای ځکه چي زه  
دادعا دهغه وخته څخه هره ورځ وایم دکوم وخت څخه چي  
مي درسول الله □ څخه اوريدلي ده ځکه زما کور نه سي  
سوځيدلای هغه چي کورته وکتل دکور په شاه وخواه کي  
څلور طرفه اور بل وواو په منځ کي ئي دهغه کور الله  
تعالی □ محفوظ ساتلي وو.

## دغم اوفکر ليري کولودپاره دعا:

علاج: په صراط المستقيم کي ليکلي دي چي کوم سړی  
سهار اوماښام دادعاوه واره وائي نوالله تعاليٰ به ده ته دغم  
اورنځ څخه نجات ورکړي دعاداده:

حسبى الله لا اله الا هو عليه توكلت وهو رب العرش العظيم:

## د حاجت پوره کولودپاره دعا:

علاج: که دچاڅه حاجت وي نوده ته پکارده چي دردولس  
ورځوپوري دولس سوه واره ۱۲۰۰ دادعاوواي الله به دده  
حاجت ورپوره کړي دعاداده: يا بديع العجايب بالخير يا بديع:

## دليونى سپى دخورلودپاره دعا:

که کوم سړي ليونى سپى ودارى نو هغه لره پکارده چي  
درځلوينستوورځوپوري هره ورځ ددوى په يوه ټکره باندي  
داآيات وليکي اووي خوري انشاءالله دهغه دشره به محفوظ  
سي: إِنَّهُمْ يَكِيدُونَ كَيْدًا 15 وَأَكِيدُ كَيْدًا 16 فَمَهْلَاكَافِرِينَ أَمْهَلُهُمْ  
رُؤْيَا:

## د ماشومانو د حفاظت عمل:

علاج: په القول الجميل کي ليکلي دي چي هرڅوک چي  
داتعويز وليکي اودماشوم په غاړه ئي وروځروي انشاءالله  
الله به ئي په خپل حفاظت اوامن کي وساتي. هغه دعاداده:

بسم الله الرحمن الرحيم اعوذ بكلمات التامة من شر كل شيطان  
وهامة وعين لامة وحصنت لحصن الف الف لاهول ولا قوة  
الا بالله العلي العظيم.

### دآسيب ليري كولو علاج:

علاج: په القول الجميل كي ليكلي دي چي هر څوك چي  
داتعويز وليكي اوآسيب وهونكي ته ئي ورپه غاړه كړي  
يا هغه ماشوم چي شيطان ئي په عذابه وي په چپه غوركي  
دداآيات شريف ووائي اوچپ دي كړي هغه تعويز اودعداده  
بسم الله الرحمن الرحيم وَلَقَدْ فَتَنَّا سُلَيْمَانَ وَأَلْقَيْنَا عَلَى كُرْسِيِّهِ  
جَسَدًا ثُمَّ أَنَابَ: أَنشَاءَ اللَّهُ اللَّهُ □ به ئي په خپل حفاظت اوامن كي  
وساتي.

### دجسم دحفاظت دپاره دعا:

علاج: په ابوداودكي داروايت دي چي رسول الله □ خپلي  
لورته دادعاورښوولي وه چي څوك ئي سهار اومانام وائي  
نودالله □ په پناه كي به وي دعداده:

سبحان الله وبحمده لا قوة إلا بالله ما شاء الله كان وما لم يشأ لم  
يكن أعلم أن الله على كل شيء قدير وأن الله قد أحاط بكل  
شيء علما:

### دقرض داداكيودپاره دعا:

علاج: ابوداودپه خپل سنن كي دابوسعيدخدي رضي الله  
تعالى عنه څخه روايت كړي دي چي در رسول الله □ په خدمت  
كي يوسرى حاضر سواوعرض ئي وكړي چي يارسول

الله ﷻ زه قرض او غموډير تنگ کړي يم ماته ددې يو علاج  
 راوښيه رسول الله ﷺ ورته وفرمائل چي زه به تاته داسي  
 کلام وښيم چي تاسو ئي وايست نواالله ﷻ به غم درڅخه ليري  
 کړي او قرض به دي هم ادا کړل سي هغه عرض وکړي چي  
 ضرور ئي راوښيه نور رسول الله ﷻ ورته وفرمائل چي دادعا هر  
 سهار اوماښام وايه:

اللهم اني أعوذ بك من الهم والحزن وأعوذ بك من العجز  
 والكسل وأعوذ بك من الجبن والبخل وأعوذ بك من غلبة الدين  
 وقهر الرجال "هغه سري ويلي دي چي كله مادادعا شروع  
 کړه نواالله ﷻ زما غمونه ليري کړل او پورونه مي ادا سول .

### د غم او فکر د پاره دعا:

علاج: در رسول الله ﷺ ارشاد کړامي دي چي څوک سهار  
 اوماښام دادعا وائيالله ﷻ به دده غم او فکر ليري کړي.

الهم ما أصبحت منك في نعمة وعافية وستر فاقم علي نعمتك  
 وسترک في الدنيا: يوسړی در رسول الله ﷻ په خدمت کي حاضر  
 سووئل ئي زه هر وخت په بلاوو او آفتونو کي  
 راگيريم. رسول الله ﷻ ورته وفرمائل چي سهار اوماښام  
 دادعا وايه:

بسم الله علي نفسي واهلي ومالي.

## دشیطان څخه دحفاظت دعا:

علاج: په ابوداودکي روایت دي چي څوک په مسجد کي داخل سي اودادعاووائي نوشیطان وائي چي داسړی نن زما دشر څخه محفوظه سودعاده:

أعوذ بالله العظيم وبوجهه الكريم وسلطانه القديم من الشيطان الرجيم "

## د بدن دروغوالي دپاره دعا:

علاج: هر څوک چي دخپل بدن خيراوعافيت غواړي هغه ته پکار دي چي سهار اوماښام دادعاووائي ددي دعاپه برکت سره به الله ﷻ دي په خپل حفاظت کي ولري دعاده:

الهم عافيني بدني الهم عافيني في سمعي الهم عافيني في بصري لا اله الا انت.

## دهر قسم شر او آفتونو څخه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: که څوک غواړي چي دغرقيدو، سوخيدو، مار، اولرم دخورلواونورو آفتونواوبلاگانو څخه په امن کي پاته سيپکارده چي دادعا هره ورځ په هميشه توب سره ووائي: الهم اعوذبک من التردي ومن الغرق ومن الحرق ومن الهدم واعوذبک من ان يتخبطني الشيطان عند الموت واعوذ بک من ان اموت فی سبيلک مدبر او اعوذبک من ان اموت لديغا: درسول الله ﷻ ارشادي چي څوک هر سهار اوماښام دادعا دري واره وائي نو هغه به دتکليف څخه محفوظ کړل سي. دعاده بسم الله لا يضر مع اسمه شئ في الارض ولا في

السماء وهو السميع العليم: روايت دي چي ددي حديث شريف راوي فلج سوي وه خلگوورته وويل چي ته هر ه ورخ دادعاوائي بياته څرنگه فلج سوي؟ هغه په جواب کي ورته وويل چي مایه دغه ورخ چي فلج کيدم ددعاويل هيرکړي وه.

### دناجوری او غم ليري کيدولودعا:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي رسول الله ﷺ ته به کله څه غم اورنځ پيښ سونودادعا به ئي ويله:

لااله الاالله الكريم لااله الاالله العظيم الحكيم لااله الاالله رب السموات والارض ورب العرش العظيم: په جامع ترمذي کي راغلي دي چي کله به رسول الله ﷺ ته يومشکل ورپيښ سونودادعا به ئي ويل: يا حي يا قيوم برحمتک استغيث: په بعضی رواياتوکي راغلي دي چي رسول الله ﷺ به وغمژن خلگوته دادعاکوله: اللهم برحمتک ارجو فلا تکلني الي نفسي طرفه عين واصلح لي شافي کله لااله الا انت: رسول الله ﷺ اسماء بنت عميس رضی الله تعالی عنه ته وفرمائل چي زه تاته داسی کلمي وبښام چي دغم په وخت کي ئي وائي؟ اسماء رضی الله تعالی عنها ورته وويل چي هوراته وئي بښائي نور رسول الله ﷺ وفرمائل چي دادعاووه واره وايه: الله ربي لا اشرك به شيئاً: او وئي وفرمائل چي ذالنون يعني: لااله الا انت سبحانک اني کنت من الظالمين: هم هر غم اوتکليف ليري کوي اوارشادئي وفرمائي چي څوک استغفار په پائبندي سره وائي نو الله ﷻ به دهر غم څخه نجات ورکړي او هغه استغفار دادي: استغفر الله الذي لااله الا هو الحي القيوم واتوب

اليه: اوارشادئي وفرمائي چي دادجنت دخزانوڅخه يوخزانه ده.

### دهر قسم شر اوبلاڅخه دحفاظت دعا:

علاج: علامه سيوطي رح په خپل كتاب الاتقان كي ليكلي دي دحضرت انس بن مالك رضى الله تعالى عنه څخه درسول الله ﷺ حديث رانقل كړي دي چي كله ستاسودخوب اراده وي نوسورة الفاتحه اوسورة احدواياست ددي په برکت به الله ﷻ تاسودمرگ څخه ماسيوا دهر آفت څخه محفوظ كړي. دابوهريره رضى الله تعالى عنه څخه په صحيح مسلم كي روايت دي چي په كوم كور كي دسورة بقره تلاوت كيږي هغه كورته شيطان نه داخليري. دارمي رح دابن مسعود رضى الله تعالى عنه څخه موقوفاً روايت كړي دي چي څوك دسورة بقرې اول څلور آياتونه (تر مفلحون پوري) اوآيات الكرسي ترڅلدون پوري اوآمن الرسول ترآخره پوري ووايي نو دده او دده دعيال شاوخوا ته په دغه ورځ كي شيطان نه راځي اونه كمه بدي ورته پيښه وه لاي سي. كه هم داغه آياتونه په ليوني باندي وويل سي نو دليونتب ناروغي ورڅخه ليري كيږي.

### د دعا ذالنون دويلو طريقه:

فايده: ذالنون دحضرت يونس عليه السلام لقب دى ده دماهي په خيټه كي دادعاويله چي دهغي په برکت الله ﷻ دماهي دنس څخه رابهر كئ دغم اومصيبت څخه ئي نجات وركړي ځكه ددي دعانونم دعا ذالنون دي څوك چي دادعاوايي نواول دي اودس وكړي اومخ پرقبله په تاريخه خونه كي دي كښيني يوه

کوزه اوبه دي خائنه نږدې کيږدي بيادي دادعاري  
 سوه (۳۰۰) واره درې ورځي يالوه ورځي يالس ورځي  
 ياڅلويښت ورځي وواڼي اول واردي لاس په اوبوکي ونيسي  
 اوپه خپله ځله اوبدن دې واچوي دالله ﷻ په فضل اوکرم سره  
 دده څخه به غم ليري کړل سي.

### دخپل ځان اوهمسايه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: محامل په خپل فوئدکي دحضرت ابن مسعودرضي الله  
 تعالي عنه څخه روايت کړي دي چي يوسړي رسول الله ﷺ ته  
 عرض وکړي چي تاسوماته يو شي راوښوئ چي دهغه په  
 برکت سره الله ﷻ ماته نفع راوړسوي رسول الله ﷻ ورته  
 وفرمائل چي ته اية الكرسي وايه ددې په برکت سره به  
 الله ﷻ ستاوستاداولادونوحفاظت اونگهباني کوي  
 اوستاوستادهمسايه په کوربه درحمت نظرکوي.

### دنسيان (هيري) دعا:

علاج: دارمي رح په خپل سنن کي دحضرت عبدالله ابن  
 مسعودرضي الله تعالي عنه څخه روايت کړي دي چي کم  
 سړي دبيده کيدوپه وخت کي دسورة بقره لس آياتونه وائي  
 نوالله ﷻ به قران کريم ور حفظ کړي اوهيري به ځني نه سي هغه  
 آياتونه دادي داية الكرسي اولني څلور آياتونه تر خالدون  
 پوري اودرې اخري آياتونه.

## دقرض دادا کیدو دعا:

علاج: په طبراني کي دحضرت معاذبن جبل رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي زه تاته داسي دعاوېښايږ چېکه پور(قرض) دغره په اندازه هم وي الله تعالی به ئي اداکړي دعداده: **قُلِ اللَّهُمَّ مَالِكَ الْمُلْكِ تُؤْتِي الْمُلْكَ مَنْ تَشَاءُ وَتَنْزِعُ الْمُلْكَ مِمَّنْ تَشَاءُ وَتُعِزُّ مَنْ تَشَاءُ وَتُذِلُّ مَنْ تَشَاءُ بِيَدِكَ الْخَيْرُ إِنَّكَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ 26** ټولج اللیل في النهار وتولج النهار في اللیل وتخرج الحي من الأميت وتخرج الأميت من الحي وترزق من تشاء بغير حساب: ورسته دي دادعاوائي: رحمن الدنيا والاخرة ورحيمهما وتعطي من تشاء منها وتصنع من تشاء ارحمني رحمة تغنيني فيهما من رحمة من سواک.

## دحيوان دسر کښی په وخت کي دعا:

علاج: په بيهقي کي دحضرت عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي که چاته دخپل حيوان څخه تکليف ورسیري یاسورلي نه قبلوي یاوزن نه پورته کوي نو باید ددغه حيوان په غور کي دادعاوائي اوورچف ئي کړي دعداده: **أَفْعِيزَ دِينَا لِلَّهِ يَبْعُونَ وَلَهُ أَسْلَمَ مَنْ فِي السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ طَوْعًا وَكَرْهًا وَإِلَيْهِ يُرْجَعُونَ**. دويم علاج: طبراني په معجم اوسط کي دحضرت انس ابن مالک رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چي دچا مریي یا منځه سرکښه وي او دهغه اطاعت نه کوي یا دچا اولاد سرکښه وي نو دهغه په غور کي دي دادعاوائي اودم دي کړي نو انشاء الله دغلام مینځي او اولاد سرکښي به ختم سي او دده به فرمانبرداره سي.

## دھر قسم ناجور یو دپارہ دعا:

علاج: امام بیہیقي رح دحضرت علي رضی الله تعالی عنه  
 څخه موقوفاً روایت کړي دي چي څوک ناروغه وي پرده  
 باندې دي سورة انعام ووائې نوالله □ به ددې دعا په برکت  
 سره شفاء ورکړي.

## د غرقیدو څخه د حفاظت دعا:

علاج: ابن سني رح دحضرت حسين ابن علي رضی الله  
 تعالی عنه څخه روایت کړي دي چي در رسول الله □ ارشاد دي  
 چي زما دامت څخه کم سړی په کبنتي کي د سپريدو په وخت  
 کي دادعا ووائې نو د غرقیدو او ډوبیدو څخه به په امان سي.

بِسْمِ اللّٰهِمَّ جَرَّاهَا وَمُرْسَاهَا اِنَّ رَبِّيْ لَغَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ وماقدروا لله  
 حق قدره والارض جميعاً قبضته اليوم القيامة والسموات  
 مطويات بيمينه سبحانه وتعالى عما يشركون .

## د جادوليري کولو دپارہ دعا:

ابن ابي حاتم دليث څخه روایت کوي چي په چاباندی  
 جادوسوی وي نو د آیتونه دي په اوبوباندی ووائې اونا جوړه  
 کس دي وپاشی انشاء الله شفاء به پیدا کړي هغه ایتونه دادي  
 :د سورة یونس دوه ایتونه د فلما القوه څخه بیا تر مجرمون  
 پوري . یوايات د سورة طه انما صنعوا کیداً د آیات تر پایه پوري.

## د پريشاني او تکليف دعا:

علاج: حاکم د حضرت ابوهريره رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړیږي چې در رسول الله ﷺ ارشادي چې په ماباندی کله څه غم سختي یا پريشاني راسي نوجبریل علیه السلام ماته دغه ویلي دي چې اي محمد ه دادعاووايه. وتوکلتي علي الحي الذي لم يتخذ ولدا ولم یکن له شریک فی الملک ولم یکن له ولي من الذل وکبره تکبیرا.

## د غلوڅخه د حفاظت دپاره دعا:

علاج: امام سیوطي رح په خپل کتاب الاتقان کي دابن عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت دي چې در رسول الله ﷺ ارشاد دي چې څوک دادعاوایي نو دده کور به د غلوڅخه محفوظه وي.

ادْعُوا اللَّهَ أَوْ ادْعُوا الرَّحْمَنَ أَيَّمَا تَدْعُوا فَلَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَى وَلَا تَجْهَرُوا بِصَلَاتِكُمْ وَلَا تَخَافُوا بِهَا وَابْتَغِ بَيْنَ ذَلِكَ سَبِيلًا 110 وَقُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي لَمْ يَتَّخِذْ وَلَدًا وَلَمْ يَكُنْ لَهُ شَرِيكٌ فِي الْمُلْكِ وَلَمْ يَكُنْ لَهُ وَلِيٌّ مِّنَ الذَّلِّ وَكَبِّرْهُ تَكْبِيرًا.

## د ناروغي څخه د شفا پيدا کولو دعا:

علاج: که څوک ناروغي وي نو دده په غورکي دادعاوویل سي او چف دي کره سي انشاء الله شفاء به پيدا کړي:

أَفَحَسِبْتُمْ أَنَّمَا خَلَقْنَاكُمْ عَبَثًا وَأَنَّكُمْ إِلَيْنَا لَا تُرْجَعُونَ 115 فَتَعَالَى اللَّهُ الْمَلِكُ الْحَقُّ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ رَبُّ الْعَرْشِ الْكَرِيمِ 116 وَمَنْ يَدْعُ مَعَ اللَّهِ إِلَهًا آخَرَ لَا بُرْهَانَ لَهُ بِهِ فَإِنَّمَا حِسَابُهُ عِنْدَ رَبِّهِ إِنَّهُلَا

يُفْلِحُ الْكَافِرُونَ 117 وَقُلْ رَبِّ اغْفِرْ وَارْحَمْ وَأَنْتَ خَيْرُ الرَّاحِمِينَ: بيهقي رح دابن مسعود رضی الله تعالی عنه څخه روایت کړي دي چي رسول الله ﷺ فرمائي دي چي څوک دآيت په پوره يقين سره ووائي نو غره به هم دخپل ځايه څخه وخيژي فايده: مطلب داچيناروغي خويومعمولي اوکوچني شي دي غره ته لاهم حرکت ورکولاي سي.

### د زړه د سختي دپاره دعا:

علاج: په مستدرک کي دابو جعفر علي محمد باقر رح څخه روایدي چي څوک په خپل زړه کي سختوالي محسوس کړي اودالله ﷻ په مخلوق رحم اوشفقت نه کوي اودچانصیحت نه قبولي نودغه سړي ته پکار ده چي پريو غاب (پلېټ) باندي سورة يسين په زعفرانوباندي وليکي اووه دي چي بنسټ د احاديثو په کتابونو کي سورة يسين مختلف خاصيتونه راغلي دي حتي که د زکندن په وخت کي پرسړي باندي وويل سي زکندن ورباندي اسانه کيږي. که ديو حاجت دپاره وويل سي هغه حاجت دسره کيږي. که پر ليوني باندي وويل سي جوړيږي. که سهار وويل سي نودرمانبامه پوري دده خوشحالي باقي وي. ددې څخه ماسوا عالمانو ليکلي دي چي سورة ياسين د زړه د خوشحالي او فرحت دپاره موږ ډير مجرب پيدا کړي دي. دغه رنگه که څوک سهار سورة دخان ووائي ترمانبامه پوري به دخداي په حفاظت کي وي. دارمي روایت کړي دي چي څوک سهار سورة دخان ووائي ترمانبامه پوري به هغه په مکروه کار کي مبتلانه سي.

## د فقر اولوري ليري کولو د پاره دعا:

علاج: بيهقي رح دابن مسعود رضی الله تعالی عنه څخه مرفوعاً روايت کړي دي چي څوک چي هره شپه سورة واقعه تلاوت کوي هيڅ کله به ده ته لوړه ورپيښه نه سي يعني دخوراک تنگي به هيڅ کله ورباندي رانه سي.

## د ولادت د اسانتيا د پاره دعا:

علاج: بيهقي رح دابن مسعود رضی الله تعالی عنه څخه مرفوعاً روايت کړي دي چي که ښځي ته د ولادت په وخت کي سختي درد او تکليف زيات وي او ولادت نه کيږي نو دا کلمات دي وليکلي او پرې دي منځي په ناروغه ښځه دي وڅيښي کلمات دادي.

بسم الله الذي لا اله الا الله الحكيم الكريم سبحان الله تعالي رب العرش العظيم الحمد لله رب العلمين كانهم يوم يرونها لم يلبثوا الا عشية اوضحها كانهم يوم يرون ما يوعدون لي يلبثوا الا ساعة من النهار بلاغ فهل يهلك الا القوم الفسقون. په صاحب الاتقان کي دابن سخي څخه روايت نقل سوي دي چي کم وخت د حضرت قفاط مېرضی الله تعالی عنه د ولادت وخت نږدي سونور رسول الله ﷺ دا ايات د سورة اعراف:

إِنَّ رَبَّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ ثُمَّ اسْتَوَىٰ عَلَى الْعَرْشِ يُغْشِي اللَّيْلَ النَّهَارَ يَطْلُبُ الْهَبْحَثِثَا وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ وَالنُّجُومَ مُسَخَّرَاتٍ بِأَمْرِهِ أَلَا لَهُ الْخَلْقُ وَالْأَمْرُ تَبَارَكَ اللَّهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ: او معوذتين ليکل او په طور د تحفي به ئي ورکول په دي وجه به په ولادت کي اساني راتله.

## دوسوي دفعه کولو دپاره دعا:

علاج: ابوداود دابن عباس رضی الله تعالی عنه څخه روایت کوي چي کله ته په خپل زړه کي وسوسه محسوسه کړي نو دادعا وائي. هو الاول والاخر والظاهر والباطن وهوبکل شیء علیم.

## دورک سوي شي دپاره دعا:

علاج: علامه جزري په خپل کتاب کي لیکلي دي چي که دیوچاڅه یوشي ورک سوي وي یا منځه اومريي ځني وتبنتي نوده ته پکار ده چي اول اودس وکړي بیا دوه رکعت له مونځ وکړي اوبیادي په دې کلماتوسره دعاو کړي .

بسم الله هادي الضلال ورادالضالة ار ددعلي ضالتي بقوتک وسلطانک فانها من عطائک وفضلک.

## دبازار دشرڅخه دحفاظت دپاره دعا:

علاج: په بازارونو کي قسما قسم فتنې موجودي وي ځکه نو هر مسلمان لره پکار ده چي ترهغه وخته پوري دي هيڅکله بازار ته نه ځي ترڅو چي درسول الله ﷻ راښودل سوي علاج ئي نه وي کړي ځکه جزري رح روایت کړي دي چي دچاوبازار ته دتللو ضرورت وي نواول دي دادعا وائي بیا دي ولاړ سي. بسم الله الهم اني اسئلك خير هذا اليوم وخير هذا السوق وخير ما فيها واعوذ بک ان اصيب فيها يمينا فأجره وصفقة خاسرة.

## دناروغی څخه دحفاظت دعا:

علاج: که څوک ناروغه وويني اودادعاووائي نوالله تعاليٰ به دغه ناروغه په خپل حفاظت کي ساتلي ولري. اودغه بيماري به ده ته هيڅکله ونه رسيري دعاده: اللهم اني اعوذ بک الحمد لله الذي عافاني مما ابتلاک به وفضلني علي کثير ممن خلق تفضيلاً.

## د فحش (بدر دڅخه) دحفاظت دپاره دعا:

که يو څوک په فحش ويلو عادت سوي وي علاج ئي دادي چي استغفاري ديروائي. ځکه چي يو سري درسول الله به خدمتکي حاضر سواو عرض ئي وکړي چي زما ژبه په فحش ويلو عادت سوي ده رسول الله ورته وفرمائل چي ته ولي استغفار نه وائي زه خوهره ورځ استغفاراو ايم.

## دوسو سوڅخه دحفاظت دپاره عمل:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي چاته ډيره وسوسه ورپيښيري نوده ته امنت بالله ويل در (ورسله) پوري ويل پکار دي او په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي دادعادي وائي: الله احد الله الصمد لم يلد ولم يولد ولم يكن له كفوا احد. په بعضي احاديثوکي راغلي دي چي چاته په زړه کي وسوسه وراچوي ددغه شيطان نوم حنذب دي په دې وجه دي اعوذ بالله وائي او چپه خواته دې چف کوي.

## د نعمت دزياتيدو دعا:

علاج: په حديث شريف کي راغلي دي چي کله يوسري ته  
الله ﷻ يونعمت ورکړي او هغه سړی الحمد لله رب العالمين  
ووايي نوالله ﷻ به ته تردي نعمت زيات او بهتر ورکړي.

## د مال دزياتيدلو دعا:

علاج: څوک چي غواړي چي زما په مال کي دي برکت وي  
بايد چي دادعا وائي.

الهم صل علي محمد عبدک ورسلك و علي المومنين  
والمومنت و علي المسلمين والمسلمات:

## د درود شريف فايدي او خاصيتونه:

د درود شريف فائدي خوبي شماره دي ليکن کومي فائدي چي  
دقولي حديثونو څخه ثابتي دي دهغو مختصراً بيان دلته کوم  
ددي دپاره چي دطب نبوي څخه پوره فائده حاصله  
سي. څوک چي يو وار په رسول الله ﷻ باندي دردو وائي  
الله ﷻ او فرشتي پردغه سړي باندي لس واره دردو وائي. او ددغه  
سړي لس درجي پورته کيږي. او په عمل نامه کي ئي لس  
نيکي ليکل کيږي. لس بدي ئي محوه کيږي. دعائي قبليري. په  
ورځ دقيامت به در رسول الله ﷻ سره ولاړ وي. ددي څخه  
ماسوا د درود شريف په ويلو سره ددين او دنيا کارونه پوره  
کيږي. گناهونه په بخښل کيږي. درود شريف د صدقي پرځاي  
باندي هم دريږي. د درديه برکت سره تکليف او سختي ليري  
کيږي. ناروغانو ته شفاء ورکول کيږي. په دښمن باندي فتحه  
حاصليږي. په درديونکي باندي فرشتي هروخت رحمت

ليري. په دې سره د زړه صفائي کيږي. په کور او مال کي برکت راځي. وويونکي ته ئي درخوپير يو پوري د برکت اثر ظهوروي. د مرگ د سختيو څخه نجات وي. در دويونکي د قيامت د تکليفو څخه په امان وي. په دنيا کي الله تعاليٰ □ نجات ورکوي. د در د شريف په برکت سره هيرسوي خوب سړي ته ورپه ياديږي. تنگ دستي ليري کيږي. د در د شريف ويونکي بخيل نه وي. په کم مجلس کي چي در د شريف ويل کيږي ټول اهل مجلس الله □ په خپل رحمت کي پټوي. د در دويونکي به په پل صراط باندې په اسانه تير سي. در د شريف در رسول الله □ محبت زياتوي د در دويونکي ته الله □ در رسول الله □ په خوب کي ليدل او د قيامت په ورځ به ورته مصافحه (غاړه په غاړه روغې) ورنصيب سي او د دې سړي سره فرشتي هم مصافحه او مر حبا وائي. در د شريف فرشتي د سروزرو او چاندي په قلم باندې ليکي او د الله □ څخه د دغه ويونکي د پاره مغفرت غواړي. ورسول الله □ ته در د داسي رسيري چي فلان امتي پر تاد ردوائيکه څوک در رسول الله □ مقبرې ته ولاړ سي او هلته در د شريف او سلام وائي نور رسول الله □ هم په دغه سړي باندې سلام وائي نو در رسول الله □ سلام چي د چانصيب سي د ادلکو لکو کراماتو څخه افضل دي. در د شريف خاصيت دادي چي تر درې ورځو پوري ئي دويونکي گناه نه ليکل کيږي. په دې وجه چي شايد داسي توبه وکاري نو گناه به ئي ختم سي. در د په برکت به سړي د عرش در سايه لاندي ودر يږي. در دويونکي د تر ازوپله به په ورځ د قيامت در نه وي او د قيامت په ورځ به د تندي څخه په امن وي. رسول الله □ بعضي بزرگان پر خله مچ کړي دي ځکه چي دوي به در د شريف ديروايه. د چاپه غور کي چي شور او ږور وي

بايد در د شريف په كثر ت سره ووائي او ورسته دا كلمات  
 ووائي. ذكر الله بخير من ذكر ني. الله □ دي مور ټولو ته  
 در د شريف دويلو توفيق رانصيب كړي او ددي په بركاتو دي  
 مور مستفيد كړي.

الهم صل علي محمد واله وازواجه وذريته وبارك وسلم.

### يادونه:

الله □ دي مور ټولو مسلمانانو لره دا كتاب طب نبوي  
 در حمت ليرلو سبب وگرځوي امين ثم امين په  
 اخر كي ټولو مسلمانانو او خاص كړددي كتاب  
 ويونكي لره خواست كوم چي  
 ما او زما مور پلار استادان او حقداران او ددي كتاب  
 كاتب او مصنف او نشر كونكي ټول په  
 دعا خيروي ياد كړي.

تمت بالخير

**Get more e-books from [www.ketabton.com](http://www.ketabton.com)**  
**Ketabton.com: The Digital Library**